भोपाल, बुधवार
26
फरवरी 2025

दैनिक
मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 ▪ अंक-181 ▪ पृष्ठ-08 ▪ मूल्य-₹02

www.madhyaswarnim.com

मध्यप्रदेश के लिए मंगल रहा मंगल

एमपी के सालाना बजट से 10 गुना ज्यादा मिले निवेश के प्रस्ताव

भोपाल। मंगलवार का दिन मध्य प्रदेश की आर्थिक सेहत के लिए मंगल कामना लेकर आया। जैसा कि पहले उम्मीद की जा रही थी आठवें संस्करण का ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट पुराने सभी रिकार्ड ध्वस्त कर देगा। इस सिलसिले में जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने यह घोषणा की कि अभी तक प्रदेश को 30 लाख 77 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं तो 1 साल से किए जा रहे हैं प्रयासों पर जैसे मोहर लग गई। वैसे भी मंगलवार का दिन भारतीय जनता पार्टी और उनकी सरकारों के लिए हमेशा ही मंगल रहा है। आपको यह बता दें 2023 विधानसभा चुनाव का परिणाम जिस दिन घोषित हुआ वह दिन भी मंगल था। आज जब मध्य प्रदेश को निवेश का इतना बड़ा प्रस्ताव मिला है तो वह दिन भी मंगल है। दूसरे शब्दों में यह कह सकते हैं मध्य प्रदेश में कुबेर ने अपने सारे दरवाजे खोल दिए और मां लक्ष्मी की कृपा से धन वर्षा हुई है।

हिट हो गया समिट, लेकिन...

झीलों के शहर में पहली बार आयोजित निवेश का महाकुंभ भी प्रयागराज के महाकुंभ जैसा ही ऐतिहासिक हो गया। दोनों महाकुंभ की कई समानता रही हैं। दोनों को ही सफल बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा मुख्यमंत्रियों ने अपनी सौ प्रतिशत से ज्यादा ऊर्जा लगाई। दोनों ही महाकुंभ में कुछ विघ्नसंतोषी तत्व आए और आदतन विपक्ष में लेकिन,किन्तु,परन्तु जैसे सवाल भी खड़े किए। लेकिन, होइहें वही जो राम रचि राखा।भोपाल और प्रयागराज दोनों ही सफलता के उतुंग शिखर पर पहुंच गए जिसका प्रभाव दशकों तक बरकरार रहेगा। अब बात भोपाल में संपन्न हुए ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की करें तो निश्चित रूप से आठवां संस्करण मध्यप्रदेश की दशा और दिशा को बदलने वाला निकला। निवेशकों में इतना उत्साह और सरकारी मशीनरी की तेज कदमताल इसके पहले पहले कभी दिखाई नहीं पड़ी। दो दिन में कई सत्र और सभी डोम खचाखच भरे हुए,ऐसा तो कभी इन्वेस्टर समिट में नजारा कभी दिखा ही नहीं। वैसे भी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में डॉ.मोहन यादव कोई भी आयोजन करते हैं तो वो इतिहास के साथ रिकॉर्ड भी बना जाता है। इस मायने में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, अमिट हो गया। अभी जो निवेश के प्रारंभिक आंकड़े आए हैं,वो स्वर्णिम प्रदेश की इबारत लिखने के लिए अत्यधिक उत्साहित करने वाले हैं।ग्लोबल इंवेस्टर समिट के दौरान अब तक सरकार के पास 30 लाख 77000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव आ चुके हैं।ये आंकड़े परिवर्तनीय भी होकर और बढ़ भी सकता है। लेकिन यदि इस निवेश की भी बात कर लें तो प्रदेश के कुल बजट का 10 गुना निवेश किसी भी नेतृत्व की पीठ थपथपाने के लिए पर्याप्त से भी अधिक है।इसमें कोई भी दो राय नहीं कि ग्लोबल के पहले रीजनल के जरिए पूरे प्रदेश को निवेश का बूस्टर डोज दिया गया। विदेशों में जाकर एक अच्छे सेल्समेन की तरह प्रदेश में उपलब्ध संसाधनों को शो केस में रखा गया,फिर भोपाल में पूरी सामर्थ्य लगाकर सफलता को सिद्ध करने का बीज मन्त्र रोपित किया गया। वैसे जिस ऊंचाई पर यह ग्लोबल इन्वेस्टर समिट पहुँच गया है, काले टीके का भी नुस्खा अपनाने में कोई बुराई नहीं है। जैसा कि लखनऊ के सगोत्रीय अनिल सिंह जी की वाल को योगी जी विधानसभा में उद्धृत किया था 'महाकुंभ में गिद्धों को लाश मिली, सूअरों को गंदगी ...भक्तों को भगवान मिले।वैसे ही मध्यप्रदेश के सवा आठ करोड़ भक्तों को निवेश का बड़ा अमृत घड़ा मिल गया है,जिसका संरक्षण अब जरूरी है।इसके पूर्व भी सात इन्वेस्टर समिट हुए जिनके परिणामों को लेकर आम जनता ज्यादा संतुष्ट नहीं दिखी। संभव है तत्कालीन समय,काल,परिस्थिति भी इसके लिए निर्णायक हो। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के शब्दों में यही समय है सही समय है से आगे जाकर जब जागो तभी सबेरा की तर्ज पर चरैवेति चरैवेति। इतना जरूर है कि निवेशकों के जीते गए भरोसे को विश्वास में तब्दील करने का समय आ गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिस प्रकार सिंहस्थ के सफल आयोजन के लिए मंत्रियों और अधिकारियों की एक टीम बनाई है जो साप्ताहिक और पाक्षिक अंतराल में प्रगति की समीक्षा करते हैं वैसे ही एक टीम निवेश को भी लेकर बनाने की आवश्यकता है। ताकि निवेश प्रस्ताव में आ रही तकलीफों/समस्याओं का निपटान तुरंत हो जाए। निवेशकर्ता कितनी शीघ्रता से अपने यूनिट का शुभारंभ कर रहे हैं ,इसकी टाइम फ्रेम भी बननी चाहिए। कहीं भी लालफीताशाही की वजह से किसी निवेशक को पांव पीछे नहीं खींचना पड़े इसके लिए राज्य स्तर पर नोडल टीम भी बनाई जाना चाहिए। वैसे बतौर प्रदेश के सामान्य नागरिक की भांति मेरी चिंता यही है कि निवेशक का भरोसा अडिग होकर विश्वास में बदल जाए इसलिए सुझाव दे रहा हूं संभव है सीएम डॉ.यादव ने प्रबंध कर भी दिए हों। क्योंकि शिखर की बुलंदी पर पहुंचकर उनको वो सब दिख रहा होगा जो बिना चश्मा लगाए हम नहीं देख पा रहे।ज्योतिषीय गणना का हवाला देकर मध्य स्वर्णिम ने पहले ही समिट के हिट होने की खुशबू फैला दी थी इसलिए आज वास्तविक बधाई देने का दिन तो है ही।

मध्य स्वर्णिम
विशेष समीक्षा

सुनील दत्त तिवारी
मो. 9713289999

मप्र अन्य राज्यों को भी दिशा दिखाने वाला: अमित शाह

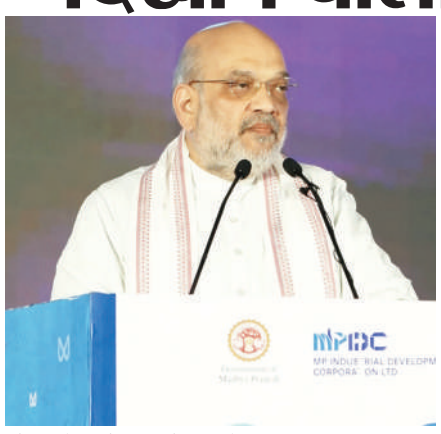

भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का समापन मंगलवार को हुआ। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दो दिन में 30 लाख 77 हजार करोड़ के प्रस्ताव आए हैं इसमें ज्यादातर करार जमीन पर उतरेंगे। 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि ने मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाएं देखी। मध्य प्रदेश अन्य राज्यों को भी दिशा दिखाने वाला है। हर क्षेत्र में एक अलग इन्वेस्टमेंट समिट को दूसरे राज्य भी अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं के सामने एक पूर्ण विकसित राष्ट्र भारत को बनाने का लक्ष्य रखा है। 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। इन लक्ष्यों को पूरा करने में मध्य प्रदेश की इन्वेस्टर्स समिट सहायक होगी। हम टीम इंडिया के भाव से काम कर रहे है। भारत सरकार और सभी राज्यों की टीम इकट्ठा होकर समग्र भारत का विकास करेगी।इस दिशा में जाने के लक्ष्य को मध्य प्रदेश की यह समिट पूरा करने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने जो नीतियां बनाई है। वह आगे बढ़ेगी और भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाएगी। निवेशक सबसे पहले एक स्थाई सरकार खोजता है। देश और मध्यप्रदेश में मजबूत सरकार विद्यमान है। मध्य प्रदेश में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो चुका है। यहां स्टील वर्क फोर्स की एक बड़ी फौज है। बेहतरीन इको सिस्टम भी प्रशासन ने उपलब्ध कराया है। मार्केट का एक्सेस भी मध्य प्रदेश से ज्यादा और कोई राज्य को उपलब्ध नहीं है और डिमांड ओरिएंटेड इकोनामी भी अब यहां पर है। मध्य प्रदेश इन्वेस्टमेंट के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र पूरे भारत में बना हुआ है। 20 साल पहले मध्य प्रदेश को गिनती बीमारू राज्यों में की जाती थी। न सड़क थी न बिजली।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने छह लाख किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क बनाया। देश भर में सबसे ज्यादा खनिज संपदा प्राप्त करने वाले राज्यों में हमारा मध्यप्रदेश है। यह देश का कॉटन कैपिटल भी बन रहा है। देश के 25ब्न ऑर्गेनिक कॉटन का सप्लाई यहां से होती है। मध्य प्रदेश पूरे भारत में टॉप अचीवर बनेगा। बैंकिंग की बात की जाए तो दस साल में 56 करोड लोगों को बैंकिंग से केंद्र सरकार ने जोड़ा है। इन लोगों को आजादी के 75 साल तक बैंक अकाउंट खोलने का सौभाग्य भी नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि जो सेक्टर विश्व की अर्थ नीति तय करने वाले हैं विश्व की इकोनॉमी की दिशा तय करने वाले है। चाहे वो ग्रीन एनर्जी हो या इलेक्ट्रिक व्हीकल, मध्य प्रदेश उसमें भी आगे है।

17.30 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार: सीएम मोहन यादव

एमपी के सीएम मोहन यादव ने बताया कि सभी क्षेत्रों में निवेश बहुत ज्यादा है। एमपी के युवाओं को सभी क्षेत्रों में रोजगार मिलने जा रहा है। जीआईएस के माध्यम होने वाले निवेश से प्रदेश में 17.30 लाख लोगों को नौकरियां मिलेंगी। राज्य सरकार के लिए यह समिट मिल का पत्थर साबित हुई है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश की निवेश संकुल नई 18 नीतियां लॉन्च की गई। उद्घाटन सत्र के दौरान एक विशेष वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से मध्य प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं को दर्शाया गया। इस समिट के लिए 25 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए। 60 देशों के 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि शामिल हुए।नौ देशों ने पार्टनर कंट्री के रूप में सहभागिता की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 100 सेक्टर एक्सपर्ट उद्योगपतियों ने स्पीकर्स के रूप में अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इस समिट से 17.30 लाख नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। 30 लाख 77 हजार करोड़ का निवेश आया है। ये समिट प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगी। हमारा संकल्प है कि मध्य प्रदेश आत्मनिर्भर भारत के विकास पथ का ध्वज वाहक बने।समिट का समापन केवल एक आयोजन का अंत नहीं है,उद्योग एवं रोजगार 2025 की सफल शुरुआत है। भोपाल में भी एक नया कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा ताकि इस तरह के आयोजन हो सके।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भारत अपने स्वर्णिम काल से गुजर रहा है। मध्य प्रदेश भी इसमें योगदान दे रहा है। प्रकृति ने मध्य प्रदेश पर विशेष कृपा की है। हमारे पास पर्याप्त भूमि है। बड़ा जंगल है और अब इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट में भी आगे है। निवेशक हमारे साथ जुड़ रहे है। हमने पूरा वर्ष उद्योग और रोजगार को समर्पित किया है। समिट में लगभग 100 से अधिक उद्योगपतियों व विभिन्न सेक्टर एक्सपर्ट ने इसमें भाग लिया है और बड़ी संख्या में 60 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधियों में प्रमुख उद्योगपतियों ने अपने इसमें भूमिका अदा की है। भारत की अग्रणी 300 से अधिक कंपनियों के एमडी और सीईओ ने भाग लिया जिसमें 25000 से अधिक निवेशक सहभागी हुए है। पहले दिन 22 लाख 50 हजार करोड़ की घोषणा हुई है। हम लगातार सुधार करेंगे और प्रदेश आगे बढ़ेगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बाग प्रिंट कला की अनूठी छटा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कला को सराहा

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में बाग प्रिंट के युवा शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री ने अपनी कला से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने आरिफ खत्री से मुलाकात कर बाग प्रिंट का ठप्पा अपने हाथों से लगाया और उनकी कला की भूरि-भूरि प्रशंसा की। गृह मंत्री अमित शाह के अलावा राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय आवास एवं नगरीय विकास और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, विश्वास सारंग, श्रीमती प्रतिमा बागरी, श्रीमती सम्पतिया उइके, मुख्य सचिव अनुराग जैन और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाग प्रिंट कला को समझा, सराहा और स्वयं ठप्पा लगाकर इसे अपनाने का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि आरिफ खत्री पिछले 15 वर्षों से इस कला से जुड़े हैं। उन्होंने अपने दादा, बाग प्रिंट के जनक शिल्पगुरु इस्माईल सुलेमानजी खत्री और अपने पिता राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अब्दुल कादर खत्री से इस कला को सीखा। विरासत में मिली इस कला को उन्होंने आधुनिक नवाचारों से और भी सशक्त किया है। आरिफ खत्री को 2021 में यूनेस्को और वर्ल्ड क्राफ्ट काउंसिल द्वारा 'अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया।

मप्र 2047 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार

सीआईआई रिपोर्ट मप्र के आर्थिक नेतृत्व के लिए पेश करती है एक परिवर्तनकारी रोडमैप

भोपाल। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था संभावित रूप से अपने सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को 2047-48 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (248.6 लाख करोड़ रुपये) तक बढ़ा सकती है, जो मौजूदा 164.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (13.6 लाख करोड़ रुपये) से 8.6ब्न की सीएजीआर से बढ़ सकती है। 'एन विज़निंग मध्यप्रदेश इकोनॉमी@2047' शीर्षक वाली रिपोर्ट, आर्थिक विकास के लिए एक दृष्टिकोण, प्रमुख क्षेत्रों की पहचान, नीतिगत हस्तक्षेप और निवेश के अवसरों की रूपरेखा तैयार करती है जो राज्य के परिवर्तन को आगे बढ़ाएंगे। रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, सीआईआई के महानिदेशक,चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि निवेश को बढ़ावा देने और विकास को गति देने के लिए समर्पित एक सक्रिय राज्य सरकार के साथ, मध्य प्रदेश 2047-48 तक भारत की जीडीपी में अपना योगदान मौजूदा 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.0 प्रतिशत करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

रिपोर्ट व्यापक डेटा विश्लेषण और हितधारक परामर्श पर आधारित है, जिसमें उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं और अकादमिक विशेषज्ञों के इनपुट शामिल हैं। यह मध्य प्रदेश की पूर्ण आर्थिक क्षमता को उजागर करने, सतत विकास, रोजगार सृजन और बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने के लिए एक ब्लूप्रिंट के रूप में कार्य करता है।

1984 के दंगों के मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्रकैद

नई दिल्ली। दिल्ली में 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष जज कावेरी बावेजा ने दोपहर 2 बजे के बाद फैसला सुनाया। कोर्ट ने 21 फरवरी को सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पीड़ित पक्ष ने सज्जन कुमार के लिए मौत की सजा की मांग की थी। सज्जन को 12 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी ठहराया था। मामला दंगों में सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़ा है। इस दौरान सज्जन बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद थे। इस समय वे दंगों से जुड़े एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं और उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। दिल्ली कैंट की पालम कॉलोनी में 5 सिखों की हत्या के बाद गुरुद्वारा जला दिया गया था। इस केस में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर, 2018 को उम्रकैद की सजा सुनाई। सितंबर, 2023 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में 3 सिखों की हत्या मामले में बरी कर दिया।

दंगे में सीबीआई की एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन भीड़ को भडक़ा रहे थे। 1 नवंबर, 1984 को सरस्वती विहार में सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। दंगाइयों ने लोहे की सरियों और लाठियों से हमला किया था। इसके बाद दोनों सिखों को जिंदा जला दिया।

सांची और डेयरी बोर्ड के बीच हुआ ऐतिहासिक अनुबंध

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के दौरान मध्यप्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में भी निवेश करने के लिए उद्योगपतियों ने खासी रुचि दिखाई है। मंगलवार को जीआईएस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग की उपस्थिति में 2305 करोड़ रुपये के 19 एमओयू साइन हुए हैं।

इसके साथ ही नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और मध्यप्रदेश स्टेट डेयरी को-आपरेटिव फेडरेशन के बीच भी प्रदेश में संचालित 6 सांची दुगध संघों के संचालन को लेकर अनुबंध हुआ है। मध्यप्रदेश में सीपीपीपी-कोऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर काम होगात्र मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि समिट में पहली बार सहकारिता क्षेत्र का विशेष सत्र किया गया है। सहकारिता विभाग में निवेश विंग की स्थापना की जाएगी। रिलायंस, वैद्यनाथ जैसी बड़ी कंपनियां सहकारिता क्षेत्र में निवेश करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि सांची और एनडीडीबी के बीच प्रमुख 7 बिंदुओं पर अनुबंध हुआ है।

सांची का नहीं बदलेगा ब्रांड नेम

सांची दुग्ध संघ के एमडी सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एनडीडीबी न तो दुग्ध संघों को अपने आधिपत्य में लेगा और न ही ब्रांड सांची के नाम में बदलाव करेगा. पिछले साल सितंबर में भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ भारत सरकार की पशुपालन एवं डेयरी सचिव अल्का उपाध्याय व राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड आनंद (गुजरात) के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक मीनेश शाह ने बैठक की थी। बैठक में दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण को लेकर चर्चा हुई थी। साथ ही बैठक में मप्र सरकार और एनडीडीबी के बीच एमओयू को लेकर सैद्धांतिक सहमति बनी। अब पांच महीने बाद ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में इसका एमओयू साइन हुआ।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

उमरेठ के जामुननाला में ट्रेक्टर से गिरकर युवक गंभीर

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। उमरेठ के जामुननाला में मंगलवार को एक बजे ट्रेक्टर से गिरकर युवक ट्रेक्टर के पहियों के नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल युवक को 108 एंबुलैंस से अस्पताल लाया गया। यहां से उसे छिंदवाडा रिफर कर दिया गया। घटना को लेकर युवक की बहन सुखदासिया ने बताया कि उसका भाई 22 वर्षीय सुनील राजभोपा ट्रेक्टर में बैठा था। ट्रेक्टर से वह घूमने के लिए जा रहा था। इसी दौरान वह ट्रेक्टर से गिर गया और ट्रेक्टर के मुंडे की चपेट में आ गया। उसे गंभीर चोट आई। उपचार के लिए लाया गया। युवक को अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उसे एंबुलैंस से ही रिफर कर छिंदवाडा भेज दिया गया। युवक के कमर के नीचे का हिस्सा बुरी तरह कुचल गया।

पागल सांड के आतंक से परेशान हुए लोग

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। नगर के वार्ड क्रमांक 15 में महाराष्ट्र बैंक के समीप एक पागल सांड ने नागरिकों को परेशान कर दिया। कई लोगों को सांड ने पटका। कुछ को मारने दौडा। इस क्षेत्र में दो स्कूल है। पागल सांड के डर से एक निजी शाला में आज छुट्टी कर दी गई। सांड को बेहोश कर गौशाला पहुंचाया गया। सांड ने नरेश तिवारी नाम के व्यक्ति को दो बार पटका। नगर पालिका के उपाध्यक्ष महेष सोमकुंवर भी अपने बच्चों के साथ वहां से निकले। स्कूल के पीयून को भी सांड ने परेशान किया। सडक से गुजरने वाले लोगों को सांड जब परेशान करने लगा तो नगर पालिका के लोगों ने उसे पकडने का प्रयास किया। हट्टे कट्टे सांड को कई कर्मचारी और रस्स से भी पकडा नहीं जा सका। बाद में पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारी को बुलाकर सांड को बेहोश किया गया। बेहोश हुए सांड को वाहन से गौशाला पहुंचाया जाया। कई घंटे चली कवायद के बाद सांड पकड में आ सका।

बस से गिरकर रिटायर्ड शिक्षक की मौत, टिकट के पैसे देने खड़े हुए संतुलन बिगडने पर नीचे गिरे

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। भोपाल जा रहे रिटायर्ड शिक्षक धर्मेंद्र जैन की बस से गिरने से मौत हो गई। यह हादसा सागर से सिलवानी जाने वाली खुशबू बस में हुआ। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम को जिले के सिलवानी सियरमऊ निवासी धर्मेंद्र जैन बस के गेट के पास वाली सीट पर बैठे थे। जब वह टिकट के पैसे देने के लिए खड़े हुए, उसी समय बस मोड़ पर मुड़ी। इससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बस से नीचे गिर गए। उन्हें गंभीर हालत में उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को देखते हुए भोपाल रेफर कर दिया। लेकिन, भोपाल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

भोजपुर में आराध्य शिव के गीतों से बहेगी भक्ति रस की पावन गंगा

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतिवर्षानुसार भोजपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध शिव मंदिर प्रांगण में महादेव भोजपुर महोत्सव 26 से 28 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में लोक गीत, संगीत और नृत्य के सांस्कृतिक स्वरूपों में भगवान शिव की महिमा दर्शायी जायेगी। कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से शुरू होगा, जिसमें श्रोताओं का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। संचालक, संस्कृति एनपी नामदेव ने बताया कि तीन दिवसीय समारोह में आराध्य शिव के गीत-संगीत से भक्ति रस की पावन गंगा बहेगी। प्रतिष्ठित आयोजन की पहली शाम में शिव भाई गुप्ता खरगोन का लोकगायन होगा, इसके बाद अभिलाष चौबे सागर का बधाई लोकनृत्य एवं सुश्री हीरामणि वर्मा और उज्जैन के मटकी लोकनृत्य की प्रस्तुति होगी।

ईडीसी मैदान में 7 मार्च को होगा मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह समारोह

गायत्री परिवार कराएगा पूजन, दुल्हन के खाते में आएंगे 49 हजार रुपए

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के विवाह समारोह की तैयारियों को लेकर जनपद पंचायत परासिया के सभाकक्ष में मंगलवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में विवाह के आयोजन की पूरी तैयारियों पर चर्चा कर जिम्मेदारियां तय की गई। सात मार्च को विवाह समारोह का आयोजन ईडीसी मैदान पर होगा।

एसडीएम पुष्पेंद्र निगम ने विधायक सोहन बाल्मिक, जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा आम्रवंषी, परासिया नपाध्यक्ष विनोद मालवी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जमील खान, चांदामेटा नपाध्यक्ष गोविंद बजोलिया, बडकुही नपाध्यक्ष भरत डेहरिया, न्यूटन नपाध्यक्ष अनुपमा राय, उपाध्यक्ष

महेश सोमकुंवर जनपद पंचायत की सीईओ स्वाति सिंह अधिकारीगणों के साथ बैठक ली। इस बैठक में विवाह समारोह के लिए आवेदन करने की तिथी का विस्तार किया गया। पहले 28 फरवरी तक आवेदन दिए जाने थे। अब अंतिम तिथी को बढाकर दो मार्च कर दिया गया है। गायत्री परिवार धार्मिक रीति रिवाज संपन्न कराएगा। बैठक में तय किया गया कि रमजान माह में मुसलिम विवाह नहीं करते है। इसलिए इनके लिए अलग से कोई तिथी निर्धारित कर आयोजन किया जाए। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा गया। जनपद पंचायत परासिया में आयोजन के आवेदन को लेकर एक काउंटर बनाया गया है। वहां सभी तरह की परेशानियों पर समाधान बताया जाएगा। बाहर के वर वधु होने पर संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ से एनओसी लाने पर आवेदन परासिया में मान्य किया जाएगा।

जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में योजनाओं की समीक्षा की

आईसीडीएस परियोजना अधिकारी और आरईएस उपयंत्री को मिला शोकाज नोटिस

परासिया। जनपद पंचायत परासिया की सामान्य सभा की बैठक मंगलवार को जनपद पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की समीक्षा की गई। महिला बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी और आरईएस के उपयंत्री को लगातार बैठकों में नहीं आने से कारण बताओ नोटिस दिया गया। बैठक में विधायक सोहन बाल्मिक, जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा आम्रवंशी, उपाध्यक्ष जमील खान, सीईओ स्वाति बघेल, समितियों के सभापति और जनपद सदस्यगण अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी विभागों के कामकाज और योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। महिला बाल विकास विभाग की परियोजनाअ अधिकारी मोनिका उईके और आरईएस के उपयंत्री अमन डेहरिया के लगातार बैठक में अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। अधिकारियों को योजनाओं का लाभ आम जनता तक आसानी से देने के निर्देश दिए गए।

नगर पालिका ने न्यूटन पेंच नदी के बांध में मिलाया कुंभ का जल

नपाध्यक्ष, सीएमओ, इंजिनियर और पूरी टीम के साथ बांध पर पहुंचे

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

नगर पालिका परासिया ने कुंभ के पवित्र जल को न्यूटन के पेंच नदी के बांध में मिलाया। मंगलवार को बारह बजे परासिया नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, उपाध्यक्ष, सीएमओ, इंजिनियर, सभापति और पार्षदगणों के साथ बांध पर पहुंचे। न्यूटन के पंच नदी के बांध में पूजन कर प्रयागराज से लाए कुंभ के जल को बांध के पानी में मिलाया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने कहा कि नगरीय निकाय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर जल स्रोत में कुंभ का जल मिलाया गया। कुंभ का अंतिम शाही स्नान है। कुंभ का जल जल स्रोत में मिलाने से वे लोग जो कुंभ नहीं जा पाए है वे भी कुंभ स्नान कर लेंगे। गंगा, जमुना, गोदावरी, सरस्वती से कामना करते है कि हमारे क्षेत्र में पानी की समस्या न हो। सीएमओ साक्षी वाजपेयी ने कहा कि जन कल्याण की भावना के साथ कुंभ जल को जल स्रोत में मिलाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, उपाध्यक्ष महेश सोमकुंवर, सीएमओ साक्षी वाजपेयी, इंजिनियर राजेंद्र सोनी, सभापति पवन सूर्यवंशी, शशि सतनामी, कुंती उईके, सुषमा चौरसिया, नरेंद्र विश्वकर्मा , जल प्रभारी असद खान उपस्थित रहे।

बडकुही में मोड पर महादेव यात्रियों की फार्चुनर और पिकअप की भिडंत

कार को पहुंचा नुकसान, बडी दुर्घटना टली

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया जामई मार्ग पर बडकुही में मंगलवार को रात साढे बारह बजे फार्चुनर कार और पिकअप की भिडंत हो गई। इस भिडंत में फार्चुनर कार को जबरदस्त नुकसान पहुंचा। सौभाग्य से किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। एक बडी दुर्घटना टल गई। दोनो ही वाहन महाराष्ट्र के थे। रात साढे बारह बजे पिकअप वाहन महादेव यात्रा पूरी कर वापस हो रहा था। इधर फार्चुन वाहन जामई की ओर जा रहा था। कार में पांच लोग सवार थे। पिकअप में पंद्रह लोग बैठे हुए थे। बडकुही में पुलिस चौकी से पहले मोड पर कार चालक ने पिकअप को टक्कर मार दिया। इससे कार का सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सडक पर डीजल आईल फैल गया। स्थानीय निवासी तत्काल दौडे और घायलों को बाहर निकाला। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वाहन को पुलिस चौकी में खडे करवाया गया। इस भीषण टक्कर के बाद भी किसी को गंभीर नहीं चोट नहीं आई।

वाहन में बेतरतीब तरीके से डीजे लटकाकर जा रहा था चालक

चांदामेटा पुलिस ने की चालानी कार्रवाई

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

चांदामेटा में डीजे संचालक वाहन में बेतरतीब तरीके से डीजे लटकाकर जा रहा था। पुलिस ने इस वाहन के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

छिंदवाड़ा पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 'चार पहिया वाहन की बॉडी से बाहर निकले डीजे बॉक्स से सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए, चार पहिया वाहनों पर डीजे बॉक्स को बाहरी हिस्से में निकालकर ले जाने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।' इसी क्रम में, थाना चंदामेटा पुलिस द्वारा वाहन क्रमांक एमपी 28जेडएफ 6198 पर एमवी एक्ट की धारा

208/177 के तहत चालानी कार्रवाई की गई। यह वाहन डीजे बॉक्स को वाहन के बाहरी हिस्से में निकालकर ले जा रहा था, जिससे सड़क पर अन्य वाहनों एवं राहगीरों के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता था।

पुलिस द्वारा वाहन चालक एवं डीजे मालिक को सख्त निर्देश दिए गए कि डीजे बॉक्स को वाहन की बॉडी के बाहर न निकाला जाए। बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अत्यधिक तेज आवाज में डीजे न बजाया जाए। नियमों का उल्लंघन करने पर भविष्य में कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बारहवीं के विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

परीक्षा केंद्र पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों का किया सहयोग

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

माध्यमिक शिक्षा मंडल का आज बारहवी का हिंदी का पेपर था। विद्यार्थियों को सुबह आधा घंटा पहले साढे आठ बजे परीक्षा केंद्र में उपस्थित होने के निर्देश थे। ओएमआर शीट भरने के लिए विद्यार्थी समय से पहले आ गए थे। हैप्पी किड्स पब्लिक स्कूल परासिया' के प्राचार्य गोविंद गोस्वामी शिक्षक सादिक मंसूरी एवं नजमा खान मॉडल स्कूल खिरसाडोह पहुंचे और समस्त विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया।

सभी को व्यवस्थित रोल नंबर बताकर, उन्हें बेस्ट ऑफ लक कहते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी । देरी से आने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र के 'केंद्र अध्यक्ष द्वारा निर्देश दिए गए एवं परीक्षा में उपस्थिती दिलाई गई ।

आज 12 घण्टे के लिए खुलेगा सोमेश्वर धाम में लगा ताला, सोमेश्वर धाम समिति करेगी, अभिषेक

महाशिवरात्रि पर भोजपुर और दुर्ग पर लगेंगा मेला, शहर में निकलेगी शिव बारात

रायसेन। जिला मुख्यालय के दुर्ग पर स्थित सोमेश्वर धाम में लगा ताला महाशिवरात्रि पर्व पर 12 घण्टे के लिए खोला जाएगा। भोजपुर और रायसेन किले की पहाड़ी पर मेले का आयोजन होगा। यहां सुबह 5 बजे से श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो जाएगा। आयोजन को लेकर प्रशासन और पुलिस ने तैयारी की है। एएसपी कमलेश कुमार खुरपुसे ने बताया कि दोनों जगह 550 पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। पर्व के दौरान भोजेश्वर महादेव का फूलों से विशेष श्रृंगार किया जाएगा। किले की पहाड़ी पर स्थित सोमेश्वर धाम के तले वर्ष में एक बार, महाशिवरात्रि पर ही खोले जाते हैं। एसडीएम मुकेश सिंह और तहसीलदार हर्ष विक्रम की मौजूदगी में मंदिर खुलने के बाद सोमेश्वर धाम समिति सफाई और अभिषेक करेगी। मंदिर परिसर और किले की पहाड़ी को रंगीन पदा और लाइटों से सजाया गया है।

शहर में निकलेगी शिव बारात

बम-बम भोले सेवा समिति की ओर से विशाल शिव बारात का आयोजन किया जाएगा। यह बारात सागर रोड स्थित पाटन देव हनुमान मंदिर से सुबह 10 बजे निकलेगी। शहर के प्रमुख मार्गो से होती हुई सोमेश्वर धाम पहुंचेगी। बारात में 15 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा, महाकाल की शाही सवारी और 15 फीट लंबा त्रिशूल शामिल होगा। वही मां वैष्णो दरबार सेवा समिति और अमरनाथ सेवा समिति के 50 से अधिक सदस्य किले की पहाड़ी पर पहुंचने वाले हजारों श्रद्धालुओं को फलाहार सामग्री का वितरण करेंगे।

देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का बजट, समृद्धि और कल्याण से परिपूर्ण: डॉ प्रभुराम चौधरी

केंदीय बजट को लेकर जिला भाजपा कार्यलय में आयोजित हुई प्रेसवार्ता, किया मोदी सरकार का गुणगान

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर भारत केंद्रीय बजट 2025 . 26 पेश किया गया है, जो 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को दर्शाता है। पेश किया गया बजट समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन स्तर को उठाने वाला साबित होगा। युवाए अन्नदाता किसान, गरीब और नारी शक्ति के उत्थान पर केंद्रित बजट को 140 करोड़ भारतीयों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। यह बात भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित केंद्रीय बजट की विशेषताएं विषय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को सांची विधानसभा विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने मुख्य वक्ता के रूप में कही । पत्रकार वार्ता में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे व जिला उपाध्यक्ष राकेश तोमर, जिला मीडिया प्रभारी हरि साहू,विधानसभा मीडिया प्रभारी सीएल गौर एवं मंडल मीडिया प्रभारी रोहित साहू सहित सहित इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि बजट समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही विकसित भारत की संकल्पना को आधार देने के लिए भी यह बजट प्रभावी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन सबका साथ,सबका विकास के लक्ष्य लेकर भारत विकसित और विश्व गुरु बने, इस विजन को परिलक्षित करता है।

12वीं एमपी बोर्ड की परीक्षा शुरू,12362 छात्र-छात्राए हुए शामिल, 27 फरवरी को 10 वीं की परीक्षा

जिले में 83 परीक्षा केंद्र बनाए, जिनमें से 9 केंद्रों को अति संवेदनशील

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

मुगलवार से माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई। पहले दिन कक्षा 12वीं का हिंदी विषय का पेपर था। जिले में कुल 12,563 परीक्षार्थियों को शामिल होना था। लेकिन 12362 छात्र-छात्राए ने दी परीक्षाऔर 201 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक ने बताया कि पहले दिन पूरे जिले में कोई नकल प्रकरण नहीं बना। परीक्षाएं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। जिले में 83 परीक्षा केंद्र बनाए गए, जिनमें से 9 केंद्रों को अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। शासकीय आदर्श कन्या स्कूल परीक्षा केंद्र पर छात्र सुबह 8:30 बजे पहुंच

गए। सबसे पहले परीक्षार्थियों ने बोर्ड पर अपना रोल नंबर ढूंढा। शिक्षकों ने कड़ी तलाशी के बाद प्रवेश दिया। जूते-चप्पल और बैग को केंद्र के बाहर जमा कराया गया। इस केंद्र पर शाइनिंग पब्लिक स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर और ब्राइट करियर स्कूल के विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं।

सरल आया हिन्दी का पेपर

एमपी बोर्ड 12वी परीक्षा देकर बाहर निकली आदि सक्सेना ने बताया कि पेपर काफी सरल था। सभी प्रश्न सिलेबस से थे,लेकिन समय थोड़ा कम मिला। परीक्षा की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए थाने से परीक्षा केंद्र तक लोकेशन ट्रैकिंग की गई नई गाइडलाइन के अनुसार, कलेक्टर प्रतिनिधि और केंद्र अध्यक्ष को सुबह 6 बजे थाने में और 8:30 बजे तक केंद्र पर सेल्फी अपलोड करनी थी।

जिपं सीईओ ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

जिले में माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 25 फरवरी से निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर प्रारंभ हो गई हैं। बोर्ड परीक्षाओं के व्यवस्थित और सुचारू संचालन हेतु कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा द्वारा अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा परीक्षा केन्द्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पग्नेश्वर तथा शासकीय उ.मा.विद्यालय सलामतपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने उपस्थित परीक्षा केन्द्र प्रभारी तथा शिक्षकों को परीक्षा के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

बिजली चोरी की सूचना देने वालों को मिलेगा पारितोषिक

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में अब बिजली चोरी की रोकथाम के चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली करने में विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि अब आउटसोर्स कर्मचारियों को भी दी जायेगी। वर्तमान में विभागीय दायित्वों का निर्वहन आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा भी किया जा रहा है। विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के उपरांत बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपियों से जुर्माने की राशि वसूली में, सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से नियुक्त आउटसोर्स कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जांच एवं वसूली के कार्य में सम्मिलित आउटसोर्स कर्मचारियों को भी परितोषिक योजनान्तर्गत 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दिये जाने का निर्णय लिया गया है। बिजली चोरी की जुर्माना राशि वसूली का भुगतान निश्चित अवधि में अर्धवार्षिक अथवा वार्षिक आधार पर दिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि नियमित अथवा संविदा कर्मियों को योजना के प्रारंभ से ही 2.5 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती रही है।

दामाद ने ससूर पर चाकू से किया वार, पत्नि को ले लेने गया था, दंपत्ति के बीच हो गया था विवाद

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में ससूर पर उसके दामाद ने चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। बताया गया है की आरोपी अपने पत्नी को अपने साथ ले जाने के लिये गया था। वहॉ पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। घर में मौजूद ससूर ने जब हस्तक्षेप किया तब गुस्साये दामाद ने उन पर हमला कर दिया था। थाना पुलिस के अनुसार नगर निगम कॉलोनी के पास रहने वाले गुड्डूलाल वंशकार पिता प्रभुताल वंशकार (52) मेहनत-मजदूरी का काम करता है। उसकी बेटी की शादी अरविंद से हुई है। बेटी और दामाद के बीच अनबन के कारण इन दिनो वह मायके में रह रही थी। दो दिन पहले रविवार की रात को दामाद अरविंद पत्नि को साथ ले जाने के लिये ससुराल पहुंचा। यहां पति-पत्नी के बीच कहासुनी होने लगी। विवाद बढ़ने पर ससूर गुड्डूलाल वंशकार बीच में आये तब आरोपी दामाद अरविंद ने चाकू निकालकर उनके सीने और पैर पर वार कर उन्हें घायल कर फरार हो गया। उन्हें इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में शिकायत मिलने पर पुलिस नेआरोपी दामाद के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

खेत में घास काटते समय विवाहिता की करंट लगने से मौत

भोपाल। देहात इलाके के रातीबड़ थाना क्षेत्र में करंट से झुलसकर विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। हादसे में समय वह खेत में हसिंये से घास काट रही थी, उसी दौरान हंसियां और खेत में लगी पानी की मोटर के तार से टच हो गया था। पुलिस को हसियां पंप के तार से चिपका मिला है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अुनसार ग्राम बिसनखेड़ी में रहने वाले विनोद मेहर का परिवार खेती-किसानी करता है। गॉव में ही उनकी खेती की जमीन है। बीते दिन विनोद की पत्नि बबीता बाई मेहर पति (32) खेत में मवेशियों के लिए घास काटने गई थी। खेत में पानी देने के लिए मोटर पंप लगाया गया था, इसका तार खेत में ही फैला है। खेत में घास काटते समय बबीता बाई का हंसियां तार से टच हो गया और करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर जब वह काफी देर तक घर नहीं पहुंची तब पति ने उसे उसे फोन लगाया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद परिवार वाले उसे देखने के लिये खेत पर पहुंचे तो वहॉ बबीता बाई का शव पड़ा नजर आया।

सम्मेलन स्थल, राजा भोज हवाई अड्डे व चौराहों पर तैनात रहे चिकित्सा दल और एम्बुलेंसेज

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पूरे समय उत्साहपूर्वक अपने निर्धारित ड्यूटी स्थलों पर सेवाएं दी गईं। समिट में देश विदेश से बड़ी संख्या में आए आगुंतकों को प्राथमिक एवं आकस्मिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने की चुनौती को विभाग द्वारा बेहतर प्लान बनाकर क्रियान्वित किया गया। निर्धारित प्लान के अनुरूप सभी चिकित्सा सेवाएं पूरे समय क्रियाशील रखी गईं। विभाग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों, जिला प्रशासन और नगर निगम के साथ समन्वय करते हुए उपचार, जांच, दवाइयों, उपकरणों, रेफरल ट्रांसपोर्ट सहित सभी आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की गई। मुख्य कार्यक्रम स्थल, टेंट सिटी, होटल्स, प्रमुख मार्गो एवं चौराहों पर सीएमएचओ सहित सभी नोडल अधिकारियों द्वारा सतत मॉनिटरिंग की गई।

12वीं बोर्ड की परीक्षाओं में सात लाख विद्यार्थी हुए शामिल

12वीं की परीक्षा में पूछा हनुमान और रामचरित मानस को लेकर सवाल, छात्रों ने कहा सरल रहा पेपर

भोपाल। मध्य प्रदेश में एमपी बोर्ड की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई है। पहले दिन 12वीं कक्षा के हिंदी विषय का पेपर था। पहली बार परीक्षा में हनुमान और रामचरित मानस को लेकर भी सवाल पूछे गए। इन प्रश्नों के साथ विकल्प भी दिए गए थे, यदि छात्र को उत्तर नहीं आता तो वह दूसरे प्रश्न का जबाव दे सकता था।परीक्षा केंद्र से बाहर निकले विद्यार्थियों ने हिंदी के प्रश्न पत्र को सरल बताया। उनका कहना है पेपर काफी सरल आया था। हालांकि समय कम होने की वजह से कुछ बच्चे पूरा प्रश्नपत्र हल नहीं कर सके।

जाने क्या पूछा सवाल

हिंदी प्रश्नपत्र के ए सेट में प्रश्न क्रमांक 8 में पूछा गया सेवक धर्म में भक्त की तुलना हनुमानजी से क्यों की गई है। जिन छात्रों को इस प्रश्नपत्र का उत्तर न आता हो, उनके लिए विकल्प में दूसरा प्रश्न भी पूछा गया था। इसी प्रकार प्रश्न क्रमांक 2 में रिक्त स्थान भरने के लिए कहा गया। इसमें पूछा गया था रामचरित मानस महाकाव्य की भाषा कौन सी है। रिक्त स्थान भरने के लिए दो विकल्प दिए गए थे, इनमें ब्रज व अवधी भाषा में से एक का चयन करना था।

ऐसा बनाया गया था प्रश्नपत्र

एमपी बोर्ड का 12वीं कक्षा का पेपर सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किया गया। इसमें कुल 23 प्रश्न पूछे गए थे। इनमें प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वास्तुनिष्ठ प्रश्न थे, जो 1-1 नंबर के थे। जबकि प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक प्रत्येक उत्तर के लिए 2-2 अंक निर्धारित हैं. इसी तरह 16 से 19 तक 3-3 अंक, जबकि 20 से प्रश्न क्रमांक 23 तक प्रत्येक उत्तर के लिए 4-4 अंक निर्धारित किए गए हैं। यदि शुरुआत के 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़ दें, तो अन्य सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए थे।

आधा घंटे पहले पहुंचना था परीक्षा केंद्र

गौरतलब है कि बोर्ड परीक्षा का संचालन सुबह 9 बजे से किया गया।लेकिन स्टूडेंट को परीक्षा केंद्र में 8.30 बजे रिपोर्ट करना था। हालांकि यदि कोई छात्र परीक्षा शुरू होने से 20 मिनट पहले भी परीक्षा केंद्र में पहुंचा तो उसका वैधानिक कारण जानते हुए एंट्री दी गई। लेकिन 8.45 के बाद परीक्षा केंद्र में पहंचने वाले छात्रों को अंदर नहीं जाने दिया गया। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पहले ही आदेश में बच्चों को परीक्षा से एक घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए थे।

सभी शहरों में सप्लाई की जाती थी कॉल गर्ल, रिमांड में हो रहे खुलासे

20 मोबाइल, पांच बैंक अकाउंट की जांच में होंगे और खुलासे

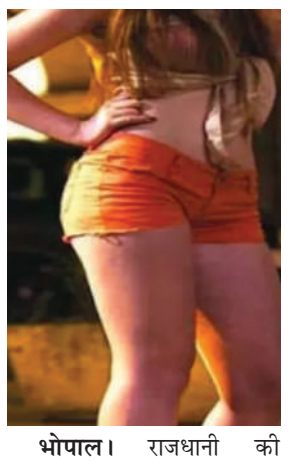

भोपाल। राजधानी की अशोका गार्डन थाना पुलिस की पकड़ में आये मानव तस्कर और देह व्यापार कराने वाले गिरोह का नेटवर्क प्रदेश भर में फैला हुआ था। 25 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर चल रही पूछताछ में गिरोह की महिला एजेंट पूजा उर्फ जोया ने कई खुलासे किए हैं। सूत्रो के अनुसार पूछताछ में उसने बताया गिरोह द्वारा पूरे मप्र में लड़कियां सप्लाई की जाती थीं। लड़कियों की प्रोफाइल मोबाइल पर भेजी जाती थीं।

कई बार लड़कियों को गिरोह के सरगना आशुतोष वाजपेयी के अरेरा कॉलोनी स्थित घर पर ठहराया गया था। फिलहाल इस मकान पर ताला लगा है।

बताया गया है कि महिला आरोपी से पुलिस को मप्र के बाहर की लिंक भी मिली है। गौरतलब है, की अशोका गार्डन इलाके से अगवा हुई 15 साल की किशोरी को पुलिस ने 2 साल बाद अशोक नगर से दस्तयाब किया था। आगे की जांच में मानव तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस ने मामले में 28 आरोपी बनाए हैं, जिनमें से 20 से ज्यादा आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

वहीं गिरफ्तार किए गए आरोपियों के 20 मोबाइल को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। इन मोबाइल की जांच के बाद कई चौंकाने वाली बातें और गिरोह के अन्य सदस्यों सहित उनका नेटवर्क सामने आ सकता हैं। वहीं जांच के दौरान अब तक समने आये गिरोह के पांच बैंक अकाउंट की डिटेल भी संबंधित बैंकों से पुलिस ने मांगी है।

शमशाबाद में हुए सड़क हादसे में घायल युवक की भोपाल में मौत

अस्पताल ने भूलवश छोला थाने को दी सूचना

भोपाल। विदिशा जिले के शमशाबाद में हुए सड़क हादसे में घायल युवक की भोपाल के सिद्धांता अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल ने भूलवश हादसे की सूचना छोला मंदिर थाना पुलिस को दे दी।

पुलिस जब जॉच के लिये अस्पताल पहुंची तब पता चला कि एक्सीडेंट की घटना दूसरे जिले की है। अब पुलिस केस डायरी संबंधित थाने को भेज रही है। थाना पुलिस ने बताया की विदिशा जिले के शमशाबाद स्थित ग्राम रुसल्ली में रहने वाले देवेंद्र साहू पिता रामचरण साहू (28) को सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल होने पर परिजनो ने 20 फरवरी को इलाज के लिये सिद्धांता अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान देवेंद्र की सुबह मौत हो गई। मौत की सूचना अस्पताल प्रंबधन ने छोला मंदिर पुलिस को दे दी।

पुलिस जब जांच करने अस्पताल पहुंची तब पता चला कि एक्सीडेंट विदिशा जिले के शमशाबाद में हुई थी। अस्पताल प्रंबधन ने भूलवश इसकी सूचना छोला पुलिस को दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि केस डायरी विदिशा जिले में घटनास्थिल से संबधित थाना पुलिस को को भेजी जाएगी।

कचरा फैंकने गई महिला पर अज्ञात बदमाश ने किया जानलेवा हमला

भोपाल। पिपलानी थाना इलाके में घर से थोड़ी दूरी पर बने नाले में कचरा फेंकने गई एक महिला से विवाद करते हुए अज्ञात आरोपी ने न केवल उसके साथ मारपीट की बल्कि नुकीली लकड़ी से उस पर घातक हमला कर दिया। नुकीली लकड़ी के वार से महिला के गले, पेट और सीने में गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिये एम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल की मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मंदिर के पास 50 क्वार्टर पिपलानी में रहने वाली मीरा देवी पत्नी सुनील कुमार (27) घरेलू महिला हैं, उनके पति एम्स में माली का काम करते है। मीरा घर के पीछे बने नाले में कचरा फेंकने गई थीं। उस समय नाले के पास करीब 30-35 साल का युवक बैठा हुआ था। युवक ने मीरा को देखकर कुछ कहा, लेकिन उन्होनें उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। जाते समय उन्होनें युवक से उनके घर के पीछे न बैठने की बात कही।

इस पर युवक गुस्सा हो गया और गाली-गलौज करने लगा। मीरा ने जब उसे गाली देने से मना किया तब आरोपी ने मीरा को धक्का देकर नाले में गिरा दिया और मारपीट करनी शुरू कर दी। मारपीट के दौरान ही आरोपी ने वहॉ पड़ी नुकीली लकड़ी उठाकर मीरा के गले, पेट और सीने पर हमला कर दिया। मीरा के चीखने की आवाज सुनकर उसका पति और अन्य पड़ोसी दौड़कर मौके पर पहुंचे।

दुकान के सामने विवाद करने से मना करने पर बदमाशों ने पिता-पुत्र पर किया हथियारों से हमला

भोपाल। राजधानी के अशोका गार्डन थाना इलाके के सुभाष कॉलोनी में कुछ युवकों का आपस में विवाद हो गया। इस दौरान आरोपियों ने पत्थरबाजी की, जिससे दुकानों को नुकसान हुआ है। दुकान मालिक ने युवको को फटकार लगाते हुए वहां से जाने को कहा। बाद में आये बदमाशो ने दुकान मालिक और उसके बेटे पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करते हुए उन्हें घायल कर दिया।

पुलिस के अनुसार -1 पानी की टंकी के सामने सुभाष कॉलोनी अशोका गार्डन में रहने वाले फरियादी मदन मोहन शर्मा पिता स्व. गंगा प्रसाद शर्मा (66) ने अपने बेटों राकेश शर्मा, शमी शर्मा और शैलेन्द्र सिंह के साथ रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की उनके घर के नीचे बनी दुकानों को किराये पर दे रखा है। एक दुकान टीवी मैकेनिक शैलेन्द्र सिंह और दूसरी बिल्डिंग मटेरियल की दुकान मुकेश साहू के पास है। बीती शाम करीब 6 बजे दुकानों के सामने आरोपी आरिफ और उसके साथी आपस में झगडा कर रहे थे। विवाद के दौरान उन्होंने पत्थर फेंकना शुरु कर दिये। उनकी दुकान में पत्थर लगने के कारण मुकेश और उनके बेटे राकेश ने उन्हें समझाइश देते हुए वहां से जाने को कहा। इस पर आरोपी अमन बटु और आरिफ ने उनके साथ गाली गलौच करनी शुरु कर दी। बाद में उस समय तो आरोपी वहॉ से चले गये लेकिन थोड़ी देर बाद आरिफ, अमन बटु अपने साथियो के साथ वापस उनकी दुकान के सामने आये और उन्हें गालिया देने लगे। मना करने पर आरिफ और अमन बटु ने अपने पास रखी तलवार निकालकर उन पर वार किया।

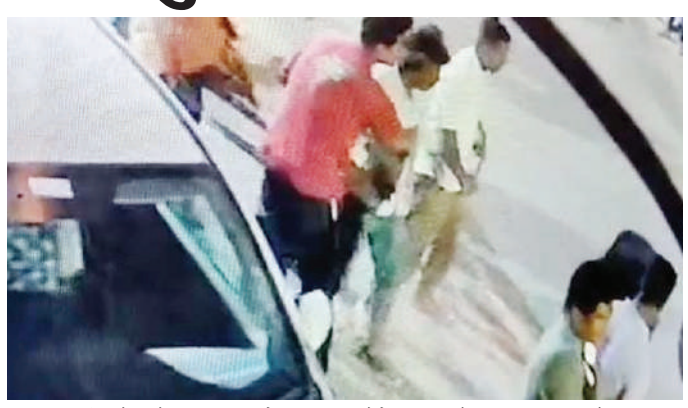

मप्र में हल्की ठंड बरकरार आज से बढ़ेगा तापमान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एक बार फिर से हल्की ठंड का दौर शुरू हुआ है, जो अभी जारी है। पिछले 4 दिन से दिन-रात के पारे में 2 से 5 डिग्री तक की गिरावट हुई है।

वहीं, सोमवार को भोपाल में बादल छाए रहे, जबकि पचमढ़ी की रात सबसे ठंडी रही। ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी बना रहेगा, लेकिन इसके बाद पारे में 2 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

कल से तापमान में हो सकती है बढ़ोतरी

मौसम विभाग के अनुसार अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से ऐसा मौसम है। मंगलवार को भी असर बना रहेगा, लेकिन बुधवार से पारे में फिर से बढ़ोतरी होने लगेगी। इससे दिन-रात में हल्की गर्मी का एहसास होगा। सोमवार को भोपाल, इंदौर, दमोह, उमरिया, बालाघाट समेत कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट हुई। वहीं, रतलाम, उज्जैन, खंडवा, खरगोन, नर्मदापुरम, गुना, बैतूल, जबलपुर आदि शहरों में पारे में बढ़ोतरी हुई। खंडवा-खरगोन और रतलाम में तो तापमान 33 डिग्री के पार पहुंच गया। इन शहरों में मंगलवार को पारा लुढ़क सकता है।

इसलिए बदल रहा मौसम

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि फरवरी में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होते हैं। अबकी बार भी ऐसा ही है। इस वजह से पारे में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। फिलहाल बारिश होने के आसार नहीं है। आखिरी एक-दो दिन में फिर से पारा लुढ़क सकता है। मार्च में तापमान में बढ़ोतरी होगी।

प्रदेश में अगले 2 दिन ऐसा मौसम

25 फरवरी- भोपाल, जबलपुर-ग्वालियर और इंदौर में दिन के तापमान में गिरावट हो सकती है। इंदौर संभाग के खंडवा-खरगोन और उज्जैन संभाग के रतलाम में पारा बढ़ा हुआ रहने का अनुमान है।

ओबीसी,ST-SC छात्रों को 4 साल से नहीं मिली छात्रवृति

छात्र पढ़ाई छोड़ने मजबूर, भोपाल में किया प्रदर्शन

भोपाल। नर्सिंग व पैरामेडिकल के एससीएसटी और ओबीसी स्टूडेट्स को पिछले 4 वर्षों से स्कॉलरशिप नहीं मिली है। इस कारण स्टूडेंट्स पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। छात्र संगठन द्वारा पूर्व में कई बार मुख्यमंत्री, नर्सिंग काउंसिल भोपाल, ज्ञापन दिए जा चुके हैं लेकिन स्कॉलरशिप की समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया गया। मंगलवार को फिर से सैकड़ों स्टूडेट्स भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहा पर धरना प्रदर्शन किया गया और मंत्रायल में सीएम के नाम ज्ञापन दिया।

90 प्रतिशत पद खाली

एनएसओ छात्र संगठन के अध्यक्ष गोपाल पाराशर ने बताया कि स्कॉलरशिप दिलवाने व मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर में स्थाई अधिकारियों व कर्मचारियों के 90 प्रतिशत पद रिक्त है इन रिक्त पदों पर नियुक्ति करने की मांग की गई जिससे स्टूडेट्स के एनरोलमेंट परीक्षा रिजल्ट आदि कार्य समय पर हो सके, साथ ही मेडिकल यूनिवर्सिटी में नर्सिंग व पैरामेडिकल क्षेत्र के व्यक्तियों की अधिकारी पोस्ट पर नियुक्ति करने,2025- 26 सत्र की नर्सिंग काउंसिल भोपाल भोपाल से मान्यता व मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर से संबद्धता का कार्य समय पर पूर्ण करवाने की मांग की गई।जिससे आगामी सत्र लेट ना हो इनके अलावा स्टूडेंट्स हित अन्य मांगो पर भी जल्द एवं उचित कार्यवाही करने की मांग की गई।

आधिकारियों ने दिया आश्वासन

संगठन के प्रदेश महासचिव सुभाष कुशवाह व सचिव सचिन के अनुसार अधिकारियों द्वारा आगामी दिनों में स्कॉलरशिप व अन्य मांगो का निराकरण करने आश्वासन दिया है इसके साथ ही संगठन द्वारा जनरल वर्ग के ई.डब्ल्यू.एस. आरक्षण के दायरे में आने वाले गरीब स्टूडेंट्स को भी स्कॉलरशिप प्रदान करने की मांग भी लगातार की जा रही है, लेकिन इस मामले पर भी सरकार ध्यान नहीं दे रही है। सरकार को इस मामले पर भी ध्यान देना चाहिए जिससे गरीबी के अभाव में किसी भी स्टूडेंट को पढ़ाई ना छोड़नी पड़े। लेकिन सरकार स्टूडेट्स विरोधी कार्य करने में लगी हुई है।

सड़क पर करेंगे आंदोलन

गोपाल पाराशर ने कहा कि अगर संगठन द्वारा सौंपे गए ज्ञापन की छात्रहित की सभी मांगो पर जल्द एवं उचित कार्यवाही नहीं की जाती है, तो संगठन द्वारा फिर से भोपाल में सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर जंतर मंतर दिल्ली पर धरना प्रदर्शन किए जाएंगे।

आस्था का महापर्व- प्रयागराज काशी अध्योध्या में भक्तों का जनसैलाब

आस्था के महापर्व में प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। जनवरी और फरवरी का महीना आस्था के महापर्व के रूप में मनाया गया है। प्रयागराज मे महाकुंभ के आयोजन में करोड़ों भक्तों की आस्था देखने को मिली। 12 जनवरी से 26 फरवरी के बीच विभिन्न पर्वों के दौरान प्रयागराज में भक्तों का बड़ी संख्या में आगमन हुआ। 200 किलोमीटर दूर तक जाम लग गया। भगदड़ भी मची। आगजनी की घटनाएं भी हुईं लेकिन भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। विभिन्न राज्यों से तथा विदेशों से बड़ी संख्या में भक्त प्रयागराज पहुंचे। भक्तों को कितनी भी कठिनाई हुई, उसकी किसी ने शिकायत नहीं की। अपनी आस्था के केंद्र बिंदु में जिस प्रयोजन के लिए वह वहां पहुंचे थे उसका उन्होंने आस्था के साथ जुड़कर कार्य को पूर्ण किया है। अब महाकुंभ समाप्ति की ओर है। इसके बाद भी भक्तों का रेला प्रयागराज में बना हुआ है। पहले ऐसा लग रहा था, समापन के अवसर पर भक्तों की भीड़ कम होगी, लेकिन इसके विपरीत भक्तों का आगमन बड़ी संख्या में अभी भी जारी है। 25 फरवरी तक प्रयागराज में भक्तों की जो भीड़ देखने को मिली है, वह अपने आप में आश्चर्य पैदा करने वाली है। प्रयागराज के साथ-साथ अब भक्तों की भीड़ बनारस और अयोध्या में बाबा विश्वनाथ और भगवान राम के दर्शन के लिए जा रही है। महाशिवरात्रि के लिए भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में की गई है। महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ भक्तों को लगातार 46 घंटे से अधिक समय तक दर्शन देंगे। 26 फरवरी की सुबह मंगला आरती के बाद से बाबा महाकाल के दर्शन भक्तों को मिलना शुरू हो जाएंगे। 28 फरवरी की रात 1 बजे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन भक्तों को होंगे। बनारस में लाखों की संख्या में भक्त हर घंटे पहुंच रहे हैं। पहली बार शिव बारात महाशिवरात्रि के 1 दिन बाद निकालने का निर्णय आयोजन समिति और जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ की बारात नहीं निकलेगी। बाबा अपने मंदिर में ही भक्तों को दर्शन देंगे। बनारस में इन दिनों 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 25 फरवरी के बाद से 2 दिन तक वाहनों का प्रवेश बनारस में बंद कर दिया गया है। बाबा विश्वनाथ के सुगम दर्शन हों, इसके लिए वीआईपी व्यवस्था बंद कर दी गई है। सभी भक्त लाइन में लगकर बाबा के दर्शन करेंगे। महाकुंभ के अवसर पर संगम तट पर जो भी श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे थे, अब वे हनुमान जी और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन कर रहे हैं। जिसके कारण तीनों ही स्थान पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। आस्था के इस महापर्व पर जिस तरह से भक्तों की भीड़ उमड़ी है उसको देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं। भक्तों की भारी भीड़ से स्पष्ट है, भारत में धार्मिक आस्था, भक्तों के दिलो और दिमाग में सबसे ऊपर है। भारी भीड़ और अव्यवस्था के बाद भी करोड़ों की संख्या में भक्त धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर अपनी आस्था का प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि 60 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आकर संगम में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में इन दिनों दूध, सब्जियां दवाओं, ईंधन, खाने-पीने के सामान की भारी कमी देखने को मिल रही है। आपातकालीन सेवाओं को लेकर भी भारी अफरा-तफरी मची हुई है। इसके बाद भी भक्तों की आस्था का सैलाब कम नहीं हो रहा है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ हो जाएगा। इसके बाद भी तीनों धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भीड़ कई दिनों बाद तक बनी रहेगी। भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन भक्तों से दर्शन करके अपने-अपने गन्तव्य स्थान पर जाने का अनुरोध कर रहे हैं। जिस संख्या में श्रद्धालु धार्मिक स्थलों पर पहुंच रहे हैं उस संख्या को देखते हुए, यही कहा जा सकता है, कि किसी भी व्यवस्था को बनाए रखना व्यवस्थापकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। अव्यवस्था के बीच व्यवस्था किस तरह से बनती है, इसका श्रेय भक्तों के ऊपर जाता है। भक्तों ने अपनी आस्था को आधार बनाकर हर असुविधा और अपनी तकलीफ को सहज रूप से स्वीकार कर लिया। भक्त अपने जिस लक्ष्य को लेकर वहां पहुंचे थे। उसके अलावा अन्य किसी ओर भक्तों ने ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण अव्यवस्था के बीच किस तरह से व्यवस्था स्वमेव बनती चली जाती है, यह महाकुंभ इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

उन्नत तकनीक और भविष्य की खेती

कृत्रिम मेधा यानी एआइ का बढ़ता उपयोग और इसका प्रभाव आज चर्चित मुद्दा है प्रधानमंत्री ने भी कुछ दिनों पहले पेरिस में आयोजित एआइ सिक्योरिटी समिट के दौरान सार्वजनिक, निजी और शैक्षणिक हितधारकों से एक विश्वसनीय एआइ पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए मिल कर काम करने का आह्वान किया था। इसमें कोई दो राय नहीं कि एआइ हमारे काम करने के तरीके को बदल देगा। विश्व आर्थिक मंच का अनुमान अनुमान कि एआइ 2027 तक विश्व स्तर पर आठ करोड़ तीस लाख नौकरियों को खत्म कर देगा। एआइएमफ की रपट की मानें तो एआइ के कारण दुनियाभर में लगभग 40 फीसद नौकरियां प्रभावित होंगी। अगर हम भारत के संदर्भ में बात करें, तो हमारा देश, जो कृषि परंपराओं से जुड़ा हुआ है, आज एक तकनीकी क्रांति के कगार पर खड़ा है भारत अपनी विशाल आबादी और विविध अर्थव्यवस्था के कारण अद्वितीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। अगर ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो एआइ में उत्पादकता, दक्षता और रोजगार बढ़ाते हुए इन चुनौतियों से लड़ने की अपार क्षमता है। ऐसे समय में जब सबसे यादा चर्चा विनिर्माण और सेवा क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों पर स्वचालन (आटोमेशन) और एआइ के प्रभाव पर केंद्रित है, तब कृषि क्षेत्र रहा तकनीकी परिवर्तन न केवल उत्पादकता, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करने की अपार क्षमता रखता है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जो प्रति हेक्टेयर उत्पादन अन्य देशों की तुलना में कम होने के बावजूद, पूरी दुनिया को खाद्यान्न संकट से बाहर निकालने की क्षमता रखता है। नीति निर्धारकों को यहां यह ध्यान रखना आवश्यक है भारत में रोजगार का भविष्य केवल प्रौद्योगिकी के विघटनकारी प्रभावों को कम करने पर निर्भर नहीं है, बल्कि रणनीतिक से विकास रास्ते बनाने के लिए कृषि जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में इसकी शक्ति का उपयोग करने पर निर्भर करने पर निर्भर है। पीढ़ियों से, भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है, जो आबादी के एक बड़े हिस्से को रोजगार प्रदान करती है। हालांकि, यह एक ऐसा क्षेत्र है जो कई चुनौतियों से ग्रस्त है। जैसे, अप्रत्याशित मानसून खंडित जीत और कीमतों में उतार-चढ़ाव इन मुद्दों ने कृषि संकट और बेहतर अवसरों की तलाश में शहरी क्षेत्रों 1 में पलायन में योगदान दिया है। इस परिदृश्य में एआइ की शुरुआत इन चुनौतियों समाधान करने, उत्पादकता बढ़ाने और इस प्रक्रिया में कृषि कार्य के लिए एक नई पीढ़ी बनाने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करती है। यह स्वाभाविक है कि स्वचालन से बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म हो ह जाएंगी, लेकिन, भारतीय कृषि के संदर्भ में, एआइ से मानव क्षमता बढ़ने की अधिक संभावना है, न कि उन्हें पूरी तरह से बदलने की संभावनाओं पर अगर विचार करें, तो एआइ- संचालित सेंसर मिट्टी के स्वास्थ्य की निगरानी, मौसम की अधिक सटीकता से भविष्यवाणी और सिंचाई के समय को अनुकूलित कर सकते हैं, जिससे बढ़ी हुई पैदावार और संसाधनों की बर्बादी में कमी हो सकती है एआइ से लैस ड्रोन विशाल खेतों का सर्वेक्षण कर सकते हैं और कीटों या बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं। यहां तक कि लक्षित उपचार भी दे सकते हैं, जिससे व्यापक कीटनाशक अनुप्रयोग की आवश्यकता कम हो जाती है। ये प्रौद्योगिकियां मानव भागीदारी की आवश्यकता को खत्म नहीं करतीं, बल्कि काम की प्रकृति को बदल देती हैं। कृषि में एआइ के एकीकरण से विभिन्न क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग पैदा होगी। हमें कृषि इंजीनियरों की आवश्यकता है, जो एआइ-संचालित मशीनरी और सिंचाई प्रणालियों को डिजाइन करें और बनाए रख सकें। हमें डेटा वैज्ञानिकों की आवश्यकता है, जो इन प्रणालियों द्वारा उत्पन्न विशाल डेटा का विशेषण कर सकें। हमें कृषि कार्यकर्ताओं की भी आवश्यकता है, जो प्रौद्योगिकी और किसानों के बीच की खाई को पाट सकें, जटिल डेटा को व्यावहारिक सलाह में बदल सकें। हमें साफ्टवेयर डेवलपर की आवश्यकता है, जो विशिष्ट कृषि आवश्यकताओं के लिए एआइ ऐप बना सकें। हमें ड्रोन पायलटों की आवश्यकता है जो इन महत्त्वपूर्ण उपकरणों का संचालन और रखरखाव कर सकें। संभावनाएं विशाल और विविध हैं। इसके अलावा, कृषि में में एआइ का अनुप्रयोग सहायक उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित कर सकता है, जिससे रोजगार के अवसरों का और विस्तार हो सकता है।

महाशिवरात्रि : इसी दिन हुई थी समस्त सृष्टि की शुरुआत

शिव-पार्वती के विवाह का पर्व, समुद्र से निकला था हलाहल

महाशिवरात्रि... इसी दिन सृष्टि की शुरूआत हुई, इसी दिन शिव और पार्वती का विवाह हुआ, इसी दिन समुद्र से निकले विष को शिव ने पीकर दुनिया को अंधेरे से बचाया। महाशिवरात्रि भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। माघ फागुन फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का शाब्दिक अर्थ है शिव की महान रात। पुरातन कथाओं के अनुसार इस दिन शिव नृत्य या तांडव करते हैं।

महाशिवरात्रि मनाने के पीछे कई कारण बताए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। ऐसा माना जाता है कि समुद्र मन्थन के दौरान अमृत के साथ हलाहल नामक विष भी पैदा हुआ था। हलाहल विष में ब्रह्माण्ड को नष्ट करने की क्षमता थी और केवल भगवान शिव इसे नष्ट कर सकते थे। भगवान शिव ने हलाहल नामक विष को अपने कण्ठ में रख लिया था। जहर इतना शक्तिशाली था कि भगवान शिव अत्यधिक दर्द से पीड़ित हो उठे थे और उनका गला नीला हो गया था। इस कारण से भगवान शिव नीलकण्ठ के नाम से प्रसिद्ध हैं। उपचार के लिए चिकित्सकों ने देवताओं को भगवान शिव को रात भर जगाये रहने की सलाह दी। शिव को आनंदित करने और जगाये रखने के लिए देवताओं ने नृत्य किए और संगीत बजाए। जैसे सुबह हुई उनकी भक्ति से प्रसन्न भगवान शिव ने उन सभी को आशीर्वाद दिया। शिवरात्रि इस घटना का उत्सव है जिससे शिव ने दुनिया को बचाया। विष पीकर शिव ने दुनिया को अंधेरे और निराशा से बचाया था। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ महाशिवरात्रि से ही हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग (महादेव का ही स्वरूप) के उदय से हुआ। इसी दिन भगवान शिव का विवाह देवी पार्वती के साथ हुआ था। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव व पत्नी पार्वती की पूजा होती हैं। यह पूजा व्रत रखने के दौरान की जाती है। यूं तो हर महीने यानि साल में 12 शिवरात्रि आती हैं लेकिन महाशिवरात्रि को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के अलावा, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, वेस्ट इंडीज सहित अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाई जाती है। कश्मीर शैव मत में इस त्यौहार को हर-रात्रि भी कहा जाता हैं। शिव जिनसे योग परंपरा की शुरुआत मानी जाती है को आदि (प्रथम) गुरु माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस रात को ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है जिससे मनुष्य में ऊर्जा का संचार होता है। इसे भौतिक और आध्यात्मिक रूप से लाभकारी माना जाता है इसलिए इस रात जागरण की भी परंपरा है। कई स्थानों पर महाशिवरात्रि की रात भजन-कीर्तन, जाप और अन्य धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। महाशिवरात्रि को महिलाओं के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। विवाहित महिलाएँ अखंड सौभाग्य, पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत करती हैं। ये भी मान्यता है कि महाशिवरात्रि का व्रत रखने से अच्छा जीवनसाथी मिलता है, शीघ्र शादी के योग बनते हैं इसलिए कुंवारी कन्याएं भी व्रत रखती हैं। अविवाहित महिलाएं भगवान शिव, जिन्हें

आदर्श पति के रूप में माना जाता है जैसे पति के लिए प्रार्थना करती हैं। ये व्रत स्त्री-पुरुष कोई भी कर सकता है। महाशिवरात्रि का व्रत अमोघ फल देने वाला माना गया है। महाशिवरात्रि का पर्व पूरे देश में भक्ति भाव और आस्था के साथ मनाया जाता है। भारत के अलावा नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान में भी इस दिन पूजा होती है। बांग्लादेश में सनातन धर्मावलम्बी भगवान शिव के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने की मंशा से व्रत रखते हैं। कई बांग्लादेशी हिंदू इस खास दिन चंद्रनाथ धाम (चिटगांव) जाते हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं की मान्यता है कि इस दिन व्रत व पूजा करने वाले स्त्री-पुरुष को अच्छा पति या पत्नी मिलती है। नेपाल में पशुपति नाथ में महाशिवरात्रि पर भव्य कार्यक्रम होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर काठमांडू के पशुपतिनाथ मन्दिर पर भक्तजनों की भीड़ लगती है। चूंकि, नेपाल की सीमा भारत से लगती है और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, व्यापारिक और आर्थिक संबंध हैं इसलिए भारत से भी कई हिन्दु धर्मावलम्बी महाशिवरात्रि पर काठमांडू पहुंचते हैं। मध्यपदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर शिव भक्तों का हुजूम उमड़ता है, यहां दिन भर पूजा-अर्चना होती है। जेओनरा, सिवनी के मठ मंदिर में व जबलपुर के तिलवाड़ा घाट नामक दो अन्य स्थानों पर यह त्योहार बहुत धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। दमोह जिले के बांदकपुर धाम में भी इस दिन लाखों लोगों का जमावड़ा रहता है। कश्मीर में कश्मीरी ब्राह्मणों के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। यह शिव और पार्वती के विवाह के रूप में हर घर में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का उत्सव तीन दिन पहले से शुरू हो जाता है और महाशिवरात्रि के दो दिन बाद तक चलता रहता है। आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के सभी मंदिरों में महाशिवरात्रि उत्साहपूर्वक मनाई जाती है। महाशिवरात्रि साल में एक बार आती है जबकि शिवरात्रि हर महीने या साल में 12 बार। ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के दिन करोड़ो सूर्यों के समान प्रभा वाले लिंगरूप में प्रकट हुए थे। ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव होने से यह पर्व महाशिवरात्रि के रुप में मनाया जाता है।

तेलंगाना सुरंग हादसा : देश में सुरंगों व परियोजनाओं में बढ़ते हादसे कब रुकेंगे

एक बार फिर बेकसूर मजदूर सुरंग हादसे का शिकार हो गए। तेलंगाना के नागरकुरलून जिले में एक बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया हो गया यहां श्रीशेलम सुरंग का एक हिस्सा ढहने से आठ लोग सुरंग के अंदर फंस गए है शनिवार सुबह यह हादसा हुआ मजदूरों को बचाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है सुरगों में बार बार हादसे हो रहे हैं और मजदूर जिंदगी व मौत की जंग लड़ रहे हैं मजदूरों को निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। सेना व एनडीआरएफ भी की सहायता ली जा रही है ताकि मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। हादसा एंट्री पॉइंट से चोदह किलोमीटर अंदर हुआ है यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में निर्माणाधीन सुरंगों व विद्युत परियोजनाओं में बढ़ते हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। हादसों में मजदूर बेमौत मर रहे हैं। देश में प्रतिदिन ऐसे मर्मातंक हादसे होते है मगर प्रकाश में नहीं आते। ।इन बीते हादसों में सैंकड़ों बच्चे अनाथ हो गए और कई मां-बनों का सिदूर मिट गया और बहनों के भाई मारे गए ।केन्द्र सरकार को इन हादसों के संदर्भ में छानबीन करवानी चाहिए तथा दोषियों को सजा देनी होगी। मजदूरों के साथ हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। कहते हैं अगर बीते हादसों से सबक सिखा जाये तो आने वाले हादसों को रोका जा सकता है लेकिन सबक न सीखना और फिर हादसा हो जाना एक बहुत ही त्रासदी है। जाको राखे साईयां मार सके ना कोई यह कहावत उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे मजदूरों पर सार्थक हो गई। रैट माइनर्स की टीम की 21 घंटे कड़ी व कमरतोड़ मेहनत कामयाब हो गई और मजदूरों को नवजीवन मिल गया और 418 घंटे का रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो गया। आखिरकार मजदूर जिंदगी की जंग जीत गए थे बेचारे 17 दिन से सुरंग में जिंदगी व मौत के बीच झूल रहे मजदूरों ने मौत को मात दे दी थी। प्रशासन ने काफ़ी मशक्त करते हुए मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया था। बेकसूर मजदूरों ने 17दिन और 16 रातें कैसे निकाली होगी यह मजदूर ही जानते होंगे। खौफनाक मंजर को कभी नहीं भूल पाएंगे। 17 दिन बाद सूर्य के दर्शन करेंगे। मजदूरों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा की जिस सुरंग का निर्माण कर रहे हैं उसमें कैद हो जाएंगे। करोड़ों देश वासिओं की दुआएं रंग लाई और मजदूरों को नया जीवन मिल गया और 12दिन सुरंग की कैद से मुक्त हो गए थे 12 तारीख को एक तरफ रविवार को दीपावली के दिन जहाँ पूरा भारतवर्ष दिवाली की खुशियाँ मना रहा था वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में बहुत ही भयंकर दु:खद हादसा हुआ जब सुरंग ढहने से 41मजदूर सुरंग के अंदर फंस गए थे। उत्तरकाशी के सिल्कयारा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी व मौत के बीच झूल रहे थे सरकार द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जारी रेस्क्यू अभियान का आज 17वें दिन था। 17 दिन ऑपरेशन जारी रहा और मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया। देश में प्रतिदिन ऐसे मर्मातंक हादसे होते है मगर प्रकाश में नहीं आते। इन बीते हादसों में सैंकड़ों बच्चे अनाथ हो गए और कई मां-बहनों का सिदूर मिट गया और बहनों के भाई मारे गए ।केन्द्र सरकार को इन हादसों के संदर्भ में छानबीन करवानी चाहिए तथा दोषियों को सजा देनी होगी। समजदूरों के साथ हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। कहते हैं अगर बीते हादसों से सबक सिखा जाये तो आने वाले हादसों को रोका जा सकता है लेकिन सबक न सीखना और फिर हादसा हो जाना एक बहुत ही त्रासदी है। मजदूरों के परिजन ईश्वर से दुआ कर रहे थे कि उनके अपने सुरक्षित बाहर निकल जाये। सबकी दुआ काम आई। यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले बहुत दुखद व दर्दनाक हादसे हो चुके हैं। देश के कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं। आकडों के अनुसार कुछ साल पहले हिमाचल में भी फोरलेन सुरंग में भी तीन मजदूर दब गए थे काफ़ी दिन कि मशकत के बाद दो मजदूरों को बचा लिया था लेकिन तीसरे मजदूर की लाश तक नहीं मिली थी।

अमेरिकी आर्थिक मदद : भारत से निष्पक्ष जांच की दरकार ?

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने देश की राजनीति में अब भारत को मोहरा बनाया है, उनका सीधा आरोप है कि उनके 'पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन और वित्तीय सहायता देने वाली सरकारी एजेंसी यूएसएड ने भारतीय चुनावों को प्रभावित करने के लिए एजेंसी फन्ड का दुरूपयोग किया, इस प्रकार ट्रम्प ने बाइडन व यूएसएड के साथ भारत को ही विवादित कटघरें में खड़ा कर दिया है, ट्रम्प के इस गंभीर आरोप पर भारत ने जांच के नाम पर चुप्पी साध रखी है।

ट्रम्प का यह रहस्योद्घाटन भारत सरकार के लिए काफी परेशानी पैदा करने वाला है, मुख्य आरोप यह है कि पिछले चैबीस सालों में यूएसएड ने भारत में चुनावों के वक्त पच्चीस हजार एक सौ बारह करोड़ रूपए बांटकर भारतीय चुनावों को प्रभावित करने की कौशिश की, भारत सरकार इस गंभीर आरोप की जांच में जुट गई है। इस मामले को लेकर भारत में राजनीतिक, प्रशासनिक बवाल मचा हुआ है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प इसे जहां एक रिश्वत की योजना बता रहे है, वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बता रहे है, वहीं कांग्रेस के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सवाल खड़ा किया है कि एक सप्ताह से यह कहानी चलाई जा रही है कि यूएसएड ने मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए, उन्होंने पूछा कि इतनी सुरक्षा एजेंसियों के होते हुए भी भारत सरकार ने यह विदेशी धन भारत आने कैसे दिया ? जबकि भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस मसले को लोकतांत्रिक मूल्यों पर कुठारघात निरूपित किया। इस संदर्भ में यदि प्राप्त धनराशि के आंकड़ों को विश्लेषण किया जाए तो यह स्पष्ट होता है कि 2022 में सबसे अधिक अनुदान राशि 22.8 करोड डॉलर प्राप्त हुई और इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ही थे।

वर्ष 2021 और 24 के बीच 65 करोड़ डॉलर राशि वितरित की गई जिसमें सबसे अधिक अनुदान 228 करोड डॉलर अकेले 2022 में वितरित किए गए, उल्लेखनीय है कि यूएसएड को 2013 में भारत को चुनावी उद्धेश्य के लिए सीईपीपीएस के माध्यम से पांच सौ हजार डॉलर का वित्त पोषण करने के लिए बाध्य किया गया था, इसमें से उसने अंतत: 2013 और 2018 के बीच 484.185 डॉलर का भुगतान किया इसके बाद कोई राशि वितरित नही की गई। भारत ने अपनी राजनीति के तहत भारत को अन्तरराष्ट्रीय कटघरे में खड़े करने की कौशिश की है, इसकी जांच आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है, यह पता करना जरूरी है कि भारत में मतदान बढ़ाने के नाम पर अमेरिकी सहायता किसे मिली और उसका उपयोग कहां व कैसे हुआ ? इसकी आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि पहले एलन मस्क ने इस पर आपत्ती जताते हुए उसे रोकने की घोषणा की, फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उसे भारत में सत्ता परिवर्तन का माध्यम बताया और इसे 'दलाली' करार दिया। अब चूंकि अमेरिकी राजनीति में भारत को मोहरा बनाए जाने का प्रयास हुआ है तो भारत का यह पहला दायित्व है कि वह इस मामले की अपने स्तर पर निष्पक्ष जांच करवाए और जांच के परिणामों से पूरे विश्व को अवगत कराए, जिससे कि इस मामले में भारत की स्थिति स्पष्ट हो सके, क्योंकि यह भारत के सिर पर कलंक लगाने जैसा प्रयास है।

क्या जघन्य अपराधियों की न सुनी जाये पैरोल की अर्ज़ी ?

कैदियों की समय से पहले रिहाई से समाज को ख़तरा हो सकता है, खासकर तब जब वे बार-बार अपराध करते हों। हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, लाखों अन्य कैदी, जिनके पैरोल के अनुरोधों को अनदेखा किया जाता है, उनके पास प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए संसाधनों की कमी होती है, या उन्हें कमजोर आधारों के आधार पर ग़लत तरीके से लाभ से वंचित किया जाता है क्योंकि वे गरीब और शक्तिहीन हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

पैरोल सुधार और पुन: एकीकरण पर आधारित है, लेकिन जब इसका उपयोग गंभीर अपराधों के लिए किया जाता है, तो यह नैतिक और कानूनी दुविधाएँ पैदा करता है। मानवाधिकारों और पुनर्वास के सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, भले ही न्याय दंड और रोकथाम की मांग करता हो। आपराधिक न्याय प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण क़दम पैरोल है। यह कैदियों को समाज में पुन: एकीकृत करने में सहायता करने के लिए दिया जाने वाला एक प्रकार का विचार है। यह कैदी की सामाजिक पुनर्प्राप्ति के लिए एक उपकरण से अधिक कुछ नहीं है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, लाखों अन्य कैदी, जिनके पैरोल के अनुरोधों को अनदेखा किया जाता है, उनके पास प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए संसाधनों की कमी होती है, या उन्हें कमजोर आधारों के आधार पर ग़लत तरीके से लाभ से वंचित किया जाता है क्योंकि वे गरीब और शक्तिहीन हैं। चूँकि हमारी जेलें अहिंसक अपराधियों से सचमुच भरी हुई हैं, इसलिए पैरोल से जेल में बंद लोगों को अपने प्रियजनों के साथ अपनी सजा के बचे हुए हिस्से को पूरा करने का मौका मिलता है, जबकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की उन पर कड़ी नज़र रहती है। यह हर दिन लाखों रुपयों की टैक्स बचत करता है और पूरे समाज के लिए एक बेहतरीन व्यवस्था है। बहुत कम बार आप किसी हिंसक अपराधी के बारे में सुनते हैं जो पैरोल पर रिहा हुआ और फिर एक और हिंसक अपराध करने लगा। ज़्यादातर हिंसक अपराधी किसी भी मामले में अपनी सजा का कम से कम 85ल हिस्सा पूरा करते हैं। लेकिन इसमें कोई दोराय नहीं है कि पैरोल से पीड़ितों और उनके परिवारों की न्याय की भावना कमज़ोर हो सकती है। आतंकवाद, बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों के खिलाफ़ मज़बूत रोकथाम होनी चाहिए। रोकथाम बनाए रखने के लिए, 2012 के निर्भया मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई। कैदियों की समय से पहले रिहाई से समाज को ख़तरा हो सकता है, खासकर तब जब वे बार-बार अपराध करते हों। बार-बार अपराध करने के कारण, 2013 के शक्ति मिल्स सामूहिक बलात्कार मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई। राजनीतिक प्रभाव से न्याय में विश्वास को नुक़सान हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप पैरोल की मंज़ूरी मिलती है जो वारंटेड नहीं होती है। टी. पी. चंद्रशेखरन हत्या मामले में पैरोल कथित तौर पर राजनीतिक दबाव के कारण दी गई थी। इन अपराधों में शामिल क्रूरता और पूर्व-योजना के कारण, सुधार चुनौतीपूर्ण है। 2018 के कठुआ बलात्कार मामले ने स्पष्ट कर दिया कि दया से रहित कठोर दंड की आवश्यकता है।

भारतीय न्यायालयों के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत पैरोल पर रिहा किए गए लोगों को संतानोत्पत्ति और विवाह के अपने अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है। हालाँकि, चूँकि विवाह के अधिकार को कानून द्वारा मान्यता नहीं दी गई है, इसलिए इस आधार पर पैरोल देने से समलैंगिक कैदियों के समानता के अधिकार से समझौता होता है। सभी कैदियों के लिए समानता और समावेशिता की गारंटी देने के लिए, न्यायालय अनुच्छेद 21 के तहत अंतरंगता के अधिक सामान्य अधिकार से पैरोल को जोड़ सकते हैं। नेल्सन मंडेला नियम (2015), कैदियों के उपचार के लिए संयुक्त राष्ट्र मानक न्यूनतम नियम, का एक प्रमुख घटक सुधार है। पैरोल एक अधिकार है, न कि विशेषाधिकार, जैसा कि न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर ने कई फैसलों में ज़ोर दिया है। सामान्य प्रतिबंध होने के बजाय, व्यवहार मूल्यांकन के आधार पर पैरोल दी जानी चाहिए। आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों के पुनर्वास के परिणामस्वरूप 2023 में महाराष्ट्र में पुनरावृत्ति में कमी आई। पैरोल अनुरोधों का मूल्यांकन न्यायालयों द्वारा पहले से ही योग्यता के आधार पर किया जाता है, जिससे सुरक्षा और न्याय की गारंटी मिलती है। हरियाणा राज्य बनाम जय सिंह (2003) में, सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की कि पैरोल निष्पक्ष मानकों के अनुसार दी जानी चाहिए। अनुच्छेद 21 (सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार) का उल्लंघन पैरोल की संभावना के बिना जेल में आजीवन कारावास द्वारा किया जा सकता है, यदि सुधार प्रदर्शित किया जाता है। श्रीहरन (2015) के अनुसार, किसी को पैरोल से पूरी तरह से वंचित करना असंवैधानिक है। नॉर्वे जैसे देशों में धीरे-धीरे पुन: एकीकरण पर ज़ोर देकर, यहाँ तक कि जघन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लोगों के लिए भी पुन: अपराध दर कम हो गई है। पुनर्वास न्याय के अपने मॉडल की बदौलत नॉर्वे में दुनिया में पुनरावृत्ति की सबसे कम दरें हैं। जैसा कि आमतौर पर जाना जाता है, मज़बूत प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव से पैरोल प्रशासन की प्रभावशीलता बाधित हुई है। कार्यक्रम के लक्ष्य से नियमित रूप से समझौता किया जाता है और कई अनुचित अपराधियों को प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में पैरोल दी जाती है। पैरोल के सम्बंध में, एक अच्छी तरह से परिभाषित न्यायिक नीति आवश्यक है और किए गए कार्यकारी कर्तव्यों की अदालतों द्वारा समीक्षा की जानी चाहिए। हमारे कानून निर्माताओं के लिए हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक बदलाव करने का समय आ गया है। इन बदलावों में कैदियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रगतिशील तरीके से पर्यवेक्षित रिहाई प्रणाली को लागू करने के लिए मज़बूत दिशा-निर्देश बनाना, लगातार पैरोल कानून बनाकर यह साबित करना कि यह पुनर्वास के लिए एक प्रभावी उपकरण है और भारत में पैरोल के दुरुपयोग को रोकने के लिए जाँच और संतुलन स्थापित करना शामिल होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

जिला प्रशासन द्वारा ग्राम अकबरपुर मुंजप्ता में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

लगभग 6 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती भूमि को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देशन में जिले में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही सतत जारी है।

इस क्रम में ग्राम अकबरपुर मुंजप्ता स्थित शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 69 रकवा 3.344 हे. भूमि पर से शासकीय भूमि जिस पर अतिक्रमणकारियो द्वारा मकान बनाकर, दीवाल बनाकर, टीन शेड बनाकर, नीव भरकर अतिक्रमण किया गया था। इस शासकीय भूमि पर किये गये अतिक्रमण को अनुविभागीय अधिकारी अतुल सिंह के निर्देशन मे पुलिस थाना बहोडापुर एवं पुरानी छावनी के स्टॉफ की उपस्थिति मे हटवाया गया। अतिक्रमण मुक्त की गई भूमि का बाजार मूल्य 6 करोड़ रुपये है।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सतेन्द्र सिंह तोमर, नायब तहसीलदार वृत्त बहोडापुर, नगर पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र सिंह सिकरवार, जितेन्द्र सिंह तोमर थाना प्रभारी बहोडापुर व अन्य स्टॉफ, नगर निगम ग्वालियर से भवन अधिकारी यशवंत मैकले, मदाखलत अधिकारी केशव चौहान, क्षेत्राधिकारी विशाल गर्ग व राजस्व निरीक्षक वृत्त बहोडापुर संजय अगरैया, पटवारी ज्योति चौकरो, रांदीप राजावत, धर्मेन्द्र कुलश्रेष्ठ, शेलेश कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

जिले के किसानों का 30 सदस्यीय दल हिमाचल प्रदेश के भ्रमण के लिये रवाना

ग्वालियर। मशरूम उत्पादन व समन्वित खेती की नई-नई तकनीकें सीखने के उद्देश्य से जिले के 30 किसानों का दल सोमवार को पाँच दिवसीय भ्रमण पर हिमाचल प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्र सोलन के लिये रवाना हुआ। जिला पंचायत की अध्यक्ष दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, कलेक्टर रुचिका चौहान एवं भाजपा जिला अध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजौरिया व ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत ने मेला रोड स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र से हरी झण्डी दिखाकर किसानों के दल को हिमाचल प्रदेश के लिये रवाना किया। कलेक्टर चौहान ने हिमाचल प्रदेश के भ्रमण पर जा रहे किसानों से कहा कि वे इस यात्रा के माध्यम से मशरूम उत्पादन के साथ-साथ सब्जी व फलों की उन्नत तकनीक सीखकर आएं। साथ ही उस तकनीक को अपनाकर स्वयं उन्नत खेती करें और दूसरे को भी सिखाएं। राज्य शासन की आत्मा किसान कल्याण योजना के तहत यह कृषक प्रशिक्षण दल हिमाचल प्रदेश के भ्रमण पर गया है।

ग्वालियर की आदर्श नदी बनेगी बैशली विकसित किया जाएगा ऑक्सीजन जोन

मुरार नदी के किनारों को हरा-भरा बनाने के लिए रोपे जाएंगे 10 हजार पौधे

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

मुरार नदी जो कि नाले में तब्दील हो गई थी उसे पुराने स्वरूप में लाने की कवायद शुरू हो गई है। जन अभियान के दूसरे चरण का पौधरोपरण के साथ आगाज हुआ। पद्म संत बाबा लक्खा सिंह, कलेक्टर रुचिका चौहान एवं निगम आयुक्त संघ प्रिय ने वैशली नदी पर 6 फीट लंबे पेड़ और पौधे रोपकर अभियान का सोमवार को शुभारंभ किया।

विगत आठ महीने पूर्व संतों के सानिध्य में शुरू किए गए अभियान की जानकारी कलेक्टर और निगमायुक्त को देकर किए गए कार्यों से अवगत कराया। साथ ही नदी और पर्यावरण सरंक्षण के लिए सात सूत्रीय पत्र सौंप कर दूसरे चरण में प्रशासनिक सहयोग का आग्रह किया। इस दौरान कलेक्टर चौहान ने कहा कि मुरार नदी के जीर्णोद्धार के लिए जनभागीदारी से चलाए जाने वाला अभियान अनुकरणीय और प्रशंसनीय है। नदी को पुराने स्वरूप में लाने के लिए बरसात से पूर्व नदी के कैचेमेंट एरिया से अतिक्रमण को हटाया जाएगा। निगम अधिकारियों की एक टीम को साबर और कोटा में नदी के क्षेत्र में किए गए कार्यों को जानने और समझने के लिए भेजा जाएगा। उनकी रिपोर्ट के आधार पर बैशली नदी के मूल स्वरूप को लौटाने के साथ ही इसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए डीपीआर तैयार कराई जाएगी। मुरार नदी को ग्वालियर की आदर्श नदी बनाया जाएगा। साथ ऑक्सीजन जोन विकसित किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भी मंशा है कि जल संवर्धन अभियान के तहत ऐसी संरचनाओं को पुनर्जीवित किया जाए। इसी उद्देश्य ये मुरार नदी को नया रूप प्रदान करने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इससे नदी स्वच्छ स्वरूप में नजर आएगी इसके लिए पद्म संत लक्खा सिंह के सहयोग से पौधरोपण किया जा रहा है। संत लक्खा सिंह ने कहा कि वैशली नदी पर चलाया जा रहा पौधरोपण अभियान आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सार्थक अभियान है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

मुनि संघ के मंगल सानिध्य में हुआ, भगवान मुनिसुब्रतनाथ स्वामी का महा मस्ताकभिषेक

गंज बासौदा (मध्य स्वर्णिम)। भगवान मुनि सुब्रतनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक के पावन पर्व पर जैन समाज ने नगर के सभी जिनालयों में निर्वाण लाडू चढ़ाकर , निर्वाण महोत्सव मनाया। वहीं स्थानीय श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (त्रिमूर्ति जिनालय) बरेठ रोड पर मुनि श्री विमल सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अनंत सागर जी महाराज के सान्निध्य में मूल नायक भगवान मुनि सुब्रतनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव बड़े ही भक्ति भाव के साथ मनाया गया। मुनि संघ के मंगल सानिध्य में आयोजन का शुभारंभ मंगलाष्टक के साथ किया गया। वहीं रजत कलशों से कलशाभिषेक एवम् मूल नायक भगवान का मस्तकाभिषेक किया गया। अभिषेक के बाद बृहद शांतिधारा मुनि श्री के मुखारविंद से सुनने का अवसर समाज जन प्राप्त हुआ। वही मंगल देशना के बाद भगवान मुनि सुब्रतनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर सामूहिक निर्वाण लाडू भी चढ़ाया गया। वही भगवान की पूजन के साथ साथ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की भी संगीतमय पूजन की गई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर समाजसेवियों ने किया शिक्षकों का सम्मान

गंज बासौदा (मध्य स्वर्णिम)। स्थानीय स्कूल ऑफ लिटिल फ्लॉवर्स हाई स्कूल में पिछले दिनों आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ज्ञानवर्धक,नशा मुक्ति , रामायण, अंगद एक्ट , स्वच्छता,भ्रूण हत्या , देश भक्ति, चंद्रयान, सहित कई राष्ट्रीय मुद्दों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया था, अतिथियों एवं समाज सेवियों द्वारा विद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सराहते हुए उन शिक्षकों का सम्मान किया जिन्होंने बच्चों को अच्छा कार्यक्रम में जान डालने में पूरी मेहनत लगा दी। प्राचार्या सीमा राठौर , शिक्षिका रितु दांगी , मनाली जैन, आकाश भावसार, मानसी दांगी, चंचल विश्वकर्मा, सुप्रिया साहू, कविता दांगी, सुहानी , निकिता , सोनाली ,अनुष्का , रक्षा , लक्ष्मी मेम इन सभी टीचर्स की बच्चों को पार्टिसिपेट कराने में महत्वपूर्ण भूमिका रही एवं इनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार सत्यनारायण शर्मा, मशीनरी एवं हार्डवेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश तनवानी, समाजसेवी एवं बजरंग दल प्रमुख नीलेश अग्रवाल, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम से नंदिनी बहिन, युवा समाजसेवी विनीत अरोरा, प्रदीप झा, स्कूल के संस्थापक बृजेश राठौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर प्रतिनिधि व केन्द्राध्यक्ष मुस्तैदीपूर्वक अपनी ड्यूटी करें

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। ग्वालियर जिले में भी मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल के तहत हायर सेकेण्ड्री (12वी) की परीक्षायें 25 फरवरी से शुरू होकर 25 मार्च तक आयोजित होंगी। इसी तरह हाई स्कूल (10वी) की परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होकर 21 मार्च तक चलेंगीं। कलेक्टर रुचिका चौहान ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर बोर्ड परीक्षाओं को नकल रहित व सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर चौहान ने कहा कि केन्द्र अध्यक्ष एवं कलेक्टर प्रतिनिधि प्रश्न-पत्र का बॉक्स प्राप्त करने के लिये संबंधित पुलिस थाने में हर हाल में प्रात:6 बजे तक पहुँच जाएँ।

समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण कर आमजन को न्याय दिलायें

इन्दौर (मध्य स्वर्णिम)। संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में (समय-सीमा के प्रकरणों के निराकरण) टीएल बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपर आयुक्त राजस्व तरूण भटनागर, उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, अपर कलेक्टर श्रीमती सीमा मौर्य, डिप्टी कलेक्टर सुसीमा कनेश, इंदौर विकास प्राधिकरण के सुदीप मीणा, उपायुक्त पुरुषोत्तम पाटीदार, सहायक संचालक के.एम. डावर, अंकेक्षण अधिकारी आर.एस. गरेठिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सिंह ने नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, सहकारिता, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, शिकायत शाखा, स्थापना आदि विभागों के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

कोटेश्वर महादेव मंदिर में मंत्री तोमर करेंगे पूजा-अर्चना

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बुधवार को सुबह ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर कोटेश्वर महादेव मंदिर पर पूजा अर्चना करेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर बुधवार की सुबह 9.30 बजे कांच मिल न्यू कॉलोनी स्थित अपने निजी आवास से स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ पदयात्रा करते हुए कोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेंगे। तोमर यहां पर पूजा अर्चना करने के बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण करेंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की बैठक आयोजित

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जिला पंचायत सभा कक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, निर्माण, सीएम हेल्पलाइन की बैठक ली गई । समीक्षा बैठक में मनरेगा अंतर्गत नियोजित लेबर में वास्तविक सृजित मानव दिवस की विगत 7 दिवस प्रगति पाई गई है, जो अत्यंत कम है जिससे मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त की गई है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में स्वीकृति वर्ष 2024- 25 में एक सप्ताह की प्रगति शून्य पूर्ण होने से संबंधित क्लस्टर प्रभारी को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए, प्रधानमंत्री आवास में प्राप्त नवीन लक्ष्य को 28 फरवरी 2025 तक शत प्रतिशत पूर्ण करना होगा एवं हितग्राहियों का समग्र ई-केवाईसी की प्रगति में प्रगति लाना हेतु निर्देशित किया गया।

जिले के 23 सरकारी अस्पतालों में एक साथ लगाई गई एचआरपी क्लीनिक

हाईरिस्क गर्भवती माताओं की अल्ट्रासोनोग्राफी सहित की गईं अन्य जांचें

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

जिले के 23 सरकारी अस्पतालों में मंगलवार को एक साथ एचआरपी क्लीनिक लगाकर गर्भवती माताओं की जाँच की गई। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित हुईं इन क्लीनिक में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को पंजीकृत किया गया। साथ ही निजी अल्ट्रासोनोग्राफी सेंटर के माध्यम से डिजिटल पेमेंट के जरिए उनकी निःशुल्क सोनोग्राफी कराई गई। इसके अलावा क्लीनिक पर हीमोग्लोबिन सहित खून की अन्य जाँचें और यूरिन की जाँच भी कराई गई। इस अवसर पर सभी महिलाओं को फल और पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर रुचिका चौहान ने चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती माताओं का प्रसव होने तक लगातार फोलोअप कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। ज्ञात हो मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में भी प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत हर माह की 9 व 25 तारीख को चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी क्लीनिक लगाकर हाईरिस्क गर्भवती माताओं की जाँच की जाती है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर ने बताया कि जिले में 23 स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित हुई एचआरपी क्लीनिक में 992 गर्भवती महिलाओं की जाँच की गई। इनमें से 492 महिलाओं को हाई रिस्क गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया।

ग्राम बरौआ निवासी बल्ली गौड़ पक्के घर का सपना जल्द ही साकार होगा

कलेक्टर बोलीं आपको मकान बनाने के लिये धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

जिले के दूरस्थ ग्राम बरौआ निवासी बल्ली गौड़ के पक्के घर का सपना जल्द ही साकार होगा। सरकार द्वारा संचालित जन-सुनवाई उनके सपने को पूरा करने का माध्यम बनी है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुँचे बल्ली की पात्रता का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार के माध्यम से परीक्षण कराया। इसके बाद बल्ली को बताया कि आपकी पात्रता बनती है। प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के तहत आपको मकान बनाने के लिये धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी। यह खुशखबरी सुनकर बल्ली गदगद हो गए और खुशी-खुशी अपने घर लौटे। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में 154 लोगों की सुनवाई हुई। कलेक्टर चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, अपर कलेक्टर कुमार सत्यम व टी एन सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक डूब एक कर इन सभी की समस्यायें सुनीं। साथ ही सभी के आवेदनों के निराकरण के लिये कार्रवाई आगे बढ़ाई। जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 154 आवेदनों में से 72 आवेदन दर्ज किए गए।

विक्रमोत्सव के शुभारंभ पर संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित होगा शो

उज्जैन में होगा प्रदेश का पहला ड्रोन शो, महाशिवरात्रि पर 1000 ड्रोन से बनेगी भगवान महाकाल की आकृति

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

महाशिवरात्रि पर महाकाल नगरी उज्जैन में आसमान में भगवान शिव की आकृति और उनसे जुड़े प्रतीक चिह्न रंगारंग रूप में दिखाई देंगे। मध्यप्रदेश सरकार के आयोजन विक्रमोत्सव के शुभारंभ दिवस पर संध्या के समय ड्रोन शो के माध्यम से ये अनुपम दृश्य दिखाई देंगे। प्रदेश में पहली बार उज्जैन में यह शो आयोजित होने जा रहा है। महाशिवरात्रि पर्व पर महाकाल नगरी में एक साथ 1000 से ज्यादा ड्रोन उड़ेंगे। आसमान में भगवान शिव की आकृति और उनसे जुड़े प्रतीक चिह्न रंगारंग रूप में दिखाई देंगे। शहर के लोगों को ये पहली बार देखने को मिलेगा। 125 दिनों के विक्रमोत्सव के शुभारंभ समारोह में संस्कृति विभाग के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा यह ड्रोन शो आयोजित किया जा रहा है। ड्रोन शो में एक साथ ड्रोन उड़ाकर उन्हें एनिमेटेड किया जाता है। ड्रोन को कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए कंट्रोल किया जाएगा। शो रात में किया जाएगा। ड्रोन शो का एक अद्भुत नजारा उज्जैन में पहली बार लोगों को देखने को मिलेगा। इस तरह के शो विदेशों और बड़े शहरों में आयोजित होते हैं। उज्जैन से शुरू होने वाले 125 दिनों के विक्रमोत्सव के शुभारंभ समारोह में संस्कृति विभाग के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा यह उत्सव आयोजित होगा। मुख्य समारोह के दौरान ड्रोन शो होगा, जिसमें एक हजार से अधिक ड्रोन आसमान में उड़ाए जाएंगे और इनके माध्यम से महादेव भगवान शिव की आकृतियां बनाई जाएंगी। ड्रोन शो के प्रभारी डॉ. अनिल कोठारी ने बताया शो के लिए एक टीम उज्जैन आएगी। मध्यप्रदेश में पहली बार यह शो आयोजित किया जा रहा है। इसकी तैयारी की जा रही है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने दिये निर्देश, भोजन की गुणवत्ता से ना हो समझौता

सीएम राइज और पीएमश्री विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाले समूहों की कार्यशाला सम्पन्न

इन्दौर (मध्य स्वर्णिम)।

जिला पंचायत सभागृह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में जिले के समस्त सीएम राइज एवं पीएमश्री विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाले स्वयं सहायता समूह सदस्यों व मध्यान्ह भोजन प्रदाता संस्थाओं के प्रतिनिधियों, विद्यालय के मध्यान्ह भोजन प्रभारियों की संयुक्त कार्यशाला आयोजित हुई।

कार्यशाला में समस्त स्वयं सहायता समूह को शासन द्वारा मध्यान्ह भोजन हेतु निर्धारित मापदंड से अवगत कराया गया। उन्हें उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन ने कहा कि विद्यालय में प्रदाय किए जाने वाला भोजन पौष्टिक होने के साथ-साथ निर्धारित मैन्यू अनुसार होना चाहिये। शासन द्वारा निर्धारित मात्रा से कम भोजन विद्यार्थियों को उपलब्ध नहीं कराया जाए। कार्यशाला के दौरान समूह को किचन की साफ-सफाई , मध्यान भोजन बनाते वक्त रखने वाली सावधानियां व समस्त सुरक्षा उपायों से विस्तार से अवगत कराया गया। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह को शासन की महत्वपूर्ण योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं शहरी आजीविका मिशन में अपने समूह को अनिवार्यतः पंजीकृत कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी समूहों को प्राप्त हो सके। साथ ही समूहों को अवगत कराया गया कि सीएम राइज एवं पीएमश्री विद्यालय के स्वयं सहायता समूह को निर्धारित ड्रेस कोड अपनाया जाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाना है। कार्यशाला के दौरान समूहों को मध्यान्ह भोजन संचालन में आ रही समस्याओं की भी जानकारी ली गई तथा उनका समाधान किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत से मध्यान भोजन प्रभारी परियोजना अधिकारी , ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक, सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी व सम्बन्धित शालाओं के प्रभारी उपस्थित थे।

एक जिला-एक उत्पाद जोन रहा जीआईएस का विशेष आकर्षण

निवेशकों और मेहमानों ने प्रदेश के उत्पादों को सराहा जोन में स्थानीय व्यंजनों का अतिथियों ने उठाया लुत्फ

इन्दौर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 में आए विदेशी और स्वदेशी निवेशकों के लिये मानव संग्रहालय परिसर में एक जिला-एक उत्पाद जोन बनाया गया। यह जोन एक जिला-एक उत्पाद योजना में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से चयनित उत्पादों के परिचय और निवेश को आकर्षित करने के लिये बनाया गया।

समिट में मध्यप्रदेश के एक जिला-एक उत्पाद योजना में स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से वन डिस्ट्रिक-वन प्रोडक्ट विलेज की वृहद प्रदर्शनी भी लगाई गई। जीआईएस में शामिल विदेशी निवेशकों और मेहमानों के लिये यह जोन विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। निवेशकों ने ओडीओपी जोन में अलग-अलग जिलों के चयनित उत्पादों को देखा, समझा और सराहा। मानव संग्रहालय परिसर के स्थित ओडीओपी जोन में विदेशी निवेशकों और मेहमानों को प्रदेश की रंग-बिरंगी लोक संस्कृति की झलक दिखाई गई। बुंदेलखंड के बधाई, बैतूल के कोरकू समुदाय का गडली सुसुन नृत्य, बांसूरी की मधुर तान, ढोल और झुंझुरी की थाप ने पूरे माहौल को आनंदित कर दिया। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकारों ने रंग-बिरंगे परिधानों से सजकर लोक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। ओडीओपी जोन देखने आए निवेशकों और मेहमानों ने लोक कलाकारों का तालियों से उत्साहवर्धन किया और सेल्फी भी खिंचवाई।

विक्रमोत्सव में इस वर्ष बनेगा सनातन संस्कृति का कीर्तिमान, भजन गायक हंसराज रघुवंशी आएंगे

26 फरवरी से 125 दिनों तक चलेगा चले महोत्सव

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

विक्रमोत्सव 2025 का शुभारंभ महाशिवरात्रि (26 फरवरी) को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। यह आयोजन विक्रमादित्य, उनके युग, भारतीय नवजागरण और भारत विद्या पर केंद्रित है। प्रथम चरण सृष्टि आरंभ दिवस (30 मार्च) को संपन्न होगा, उसी दिन जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत होगी जो 30 जून तक चलेगा, जिसमें मध्यप्रदेश की नदियों और जल संरचनाओं के संरक्षण के कार्यक्रम होंगे। विक्रमोत्सव में कलश यात्रा, विन्टेज कार, स्पोर्ट्स बाइक और जनजातीय कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। 51 महाशिवरात्रि मेलों का समारंभ और सिंहस्थ 2028 की रूपरेखा का लोकार्पण मुख्य आकर्षण हैं। सांस्कृतिक संध्या में आनंदन शिवमणि और हंसराज रघुवंशी की सांगीतिक प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही विक्रम व्यापार मेला, वस्त्रोद्योग, जनजातीय शिल्प, पारंपरिक व्यंजन, और परंपरागत चिकित्सा शिविर भी आयोजित होंगे। विक्रमोत्सव 2025, 125 दिनों तक चलने वाला भव्य आयोजन है जिसमें वेद अंताक्षरी, संगीत, नृत्य, नाटक, मूर्तिकला, पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव, राष्ट्रीय विज्ञान समागम, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास समागम, और भारतीय बोलियों पर कवि सम्मेलन होंगे। इसके अलावा, विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के एप का लोकार्पण और सम्राट विक्रमादित्य राष्ट्रीय सम्मान सहित अन्य अलंकरण समारोह भी आयोजित किए जाएंगे।

जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू समेत अन्य को रवेन्यू कोर्ट ने भेजा समन

लालू, तेजस्वी और अन्य आरोपियों को तलब किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरजेडी प्रमुख लालू यादव को नौकरी के बदले जमीन मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने झटका दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी और अन्य आरोपियों को तलब किया है। सभी नामजद आरोपियों को 11 मार्च को पेश होने का आदेश दिया है। स्पेशल सीबीआई जज ने केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दायर आरोप पत्रों पर संज्ञान लेने के बाद आदेश दिया। सीबीआई ने मामले में 30 सरकारी कर्मचारियों समेत कुल 78 लोगों को नामजद किया है। इसमें भोला यादव, प्रेम चंद गुप्ता को तलब किया है1 कोर्ट ने कहा कि आरोप है कि प्रेम चंद गुप्ता, लालू यादव के सहयोगी के तौर पर काम करते थे। यह मामला पश्चिम-मध्य रेलवे के जबलपुर जोन में साल 2004 से 2009 के बीच ग्रुप-डी पदों पर हुई नियुक्तियों से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि लालू यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान उम्मीदवारों से उनके परिवार या सहयोगियों के नाम पर जमीन हस्तांतरित करवाई गई थी और इसके बदले में उन्हें रेलवे में नौकरियां दी गई थी। सीबीआई ने 18 मई 2022 को लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी, दो बेटियों, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और कुछ निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस मामले में अब तक 30 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मिल चुकी है।

भारतीय सेना को हल्के लड़ाकू विमान एमके1ए मिलने में देरी का मुद्दा गरमाया

रक्षा सचिव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना को हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके-1ए मिलने में देरी का मुद्दा इन दिनों गरमाया है। अब रक्षा मंत्रालय ने इसके उत्पादन और आपूर्ति में देरी को दूर करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने कुछ दिन पहले एलसीए विमानों की डिलीवरी में देरी का मामला उठाया था। बीते दिनों ऑपरेशनल स्क्वाड्रनों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। ऐसी स्थिति में भारतीय वायुसेना अपने को मजबूत करना चाहती है। आईएएफ को अपने लड़ाकू स्क्वाड्रनों की ताकत में बढ़ोतरी के लिए हल्के लड़ाकू विमानों की जरूरत है। इसीलिए ऐसे 83 विमानों का ऑर्डर दिया जा चुका है। रक्षा सचिव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन हुआ है। इन्हें एलसीए कार्यक्रम में अड़चनों की पहचान करने और उत्पादन में तेजी लाने के उपाए बताने होंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि पैनल को अपनी रिपोर्ट एक महीने के अंदर सौंपनी होगी। क्या विमान निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाया जाएगा? मौजूदा हालात में यह अहम सवाल है। जानकारों का मानना है कि ऐसा करके विमानों की डिलीवरी में तेजी लाई जा सकती है। इसकी क्या प्रक्रिया होगी और किन कंपनियों को मौका मिलेगा? समिति के सदस्य इन सवालों के जवाब देने की कोशिश कर सकते हैं। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बीते दिनों आश्वासन दिया था कि वह जल्द भारतीय वायुसेना को विमान की आपूर्ति शुरू कर देगा और तकनीकी दिक्कतें दूर हो गई हैं। एचएएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने कहा कि देरी केवल उद्योग में सुस्ती के कारण नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी दिक्कतें थीं, जिन्हें सुलझा लिया गया है।

दिल्ली में नई बीजेपी सरकार जल्द लॉन्च करेगी महिला समृद्धि योजना

बीजेपी सरकार इसके लिए तैयारियों में जुट गई है

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई सरकार के गठन के बाद दिल्ली में महिला समृद्धि योजना की स्कीम जल्द लॉन्च हो सकती है। दिल्ली में बीजेपी सरकार इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। इसको लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को लेकर बैठक की और योजना को लागू करने के लिए नियम एवं शर्तें तय करने को कहा। पीएम मोदी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि 8 मार्च को महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को इसकी पहली किस्त दी जाएगी।

अब दिल्ली की सीएम रेखा ने इस बात को दोहराया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में वादा किया था कि इस योजना के तहत के गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। योजना को लेकर अभी नियम और शर्तें तय होना बाकी है। इससे पता चलेगा कि इस योजना का लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं। फिलहाल यह साफ हो गया है कि जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति अच्छी है। उन्हें इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए है।

2024 में 54 देशों ने 296 बार इंटरनेट किया बंद, भारत में 84 बार हुआ

पाकिस्तान में 21, रूस में 13, यूक्रेन में 7 और बांग्लादेश में 5 बार शटडाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया में इंटरनेट बंद करने के मामले में भारत पहले नंबर पर नहीं है। हालांकि अभी दूसरा नंबर है। भारत में इंटरनेट शटडाउन में कमी आई है। मणिपुर हिंसा और पिछले साल हरियाणा के नूंह में साम्प्रदायिक हिंसा को हटा दें तो भारत में बहुत ही कम इंटरनेट बंद किया गया है। चिंता की बात यह है कि भारत अभी भी अपने पड़ोशी देशों से इस मामले में काफी पीछे है। 2018 के बाद पहली बार 2024 में भारत एक साल में इंटरनेट शटडाउन के मामले में दुनिया में आगे नहीं रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल म्यांमार में सबसे ज़्यादा 85 शटडाउन के आदेश दिए गए। भारत में पिछले साल 84 ऐसे आदेश लागू हुए थे। बता दें दुनिया में इंटरनेट शटडाउन की कुल संख्या 2023 में 39 देशों द्वारा 283 शटडाउन से बढ़कर 2024 में 54 देशों द्वारा 296 शटडाउन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार के ठीक पीछे भारत है। यहां 84 बार

शटडाउन हुआ। भारत में संप्रदायिक संघर्ष, विरोध और अस्थिरता, सांप्रदायिक हिंसा, परीक्षाओं और चुनावों में नकल रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद की गई। 41 इंटरनेट शटडाउन विरोध प्रदर्शनों से संबंधित थे। 23 सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित थे। 2024 में 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इंटरनेट शटडाउन से प्रभावित थे, जिनमें मणिपुर (21), जम्मू-कश्मीर (12) और हरियाणा (12) सबसे आगे थे। रिपोर्ट में बताया है कि मणिपुर में जातीय तनाव एक प्रमुख कारण था।

युद्ध के 3 साल : 475000 मौतें 63 लाख लोगों ने छोड़े घर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रूस यूक्रेन युद्ध को तीन साल हो गए हैं। युद्ध के चलते अब तक 475000 मौतें हुईं हैं और 63 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इन तीन साल होने पर 267 ड्रोन से एक साथ हमला किया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, खार्किव, पोल्टावा, सुमी, कीव, चेर्निहाइव, मायकोलाइव और ओडेसा सहित पूरे यूक्रेन में कम से कम 13 क्षेत्रों में ड्रोन रोके गए। यह अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक है।यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए दबाव बना रहे हैं। 24 फरवरी इस युद्ध को तीन साल पूरे हो गए हैं। तीन साल होने के बाद भी यह युद्ध नहीं रुक पाया है। युद्ध रोकने के लिए सऊदी अरब में अमेरिका ने रूस के साथ मीटिंग की, लेकिन पूरी दुनिया के लिए हैरानी की बात रही कि इसमें यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया। यूक्रेन युद्ध के कारण लाखों लोगों की मौत हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फरवरी की शुरुआत में कहा था कि इस युद्ध के कारण 45,000 सैनिक मारे गए।

चाबहार पर डोनाल्ड ट्रंप के आदेश से भारत को नुकसान तो चीन को हो सकता है फायदा!

भारत ने इसके विकास और संचालन के लिए ईरान के साथ समझौता किया है

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के चाबहार पोर्ट पर ट्रंप के कदम के बाद भारत के लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। इस महीने 6 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक आदेश जारी किया था, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को चाबहार पर प्रतिबंधों में दी गई छूट को रद्द करने या संशोधित करने का निर्देश दिया था। चाबहार बंदरगाह मध्य एशिया तक पहुंच हासिल करने के भारत के अभियान के लिए अहम है। बीते साल भारत ने इसके विकास और संचालन के लिए ईरान के साथ 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अमेरिका के कदम ने एक तरफ जहां भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी है, वहीं प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए यह मौके है। चीन ने इस इलाके में पाकिस्तान के ग्वादर में स्थित बंदरगाह में बड़ा निवेश किया है।

इससे न सिर्फ चीन को व्यापार बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में पैर जमाने का रास्ता साफ हो सकता है, जहां भारत का लंबे समय से रणनीति प्रभाव रहा है, लेकिन चीन का

ग्वादर प्रोजेक्ट एक तरह अभी तक असफल रहा है, जबकि भारत के बनाए चाबहार ने व्यापार शुरू कर दिया है। ट्रंप के आदेश का उद्येश्य ईरान पर अधिकतम दबाव बनाना है, लेकिन इससे भारत के प्रमुख रणनीतिक हितों पर भी असर पड़ेगा। इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने साल 2024 में चाबहार डील की थी। आईपीजीएल ने पहली बार 2018 में पोर्ट का संचालन संभाला और तब से 90 हजार से ज्यादा टियुस के कंटेनर ट्रैफिक और 84 लाख से ज्यादा के थोक और सामान्य कार्गो को संभाला है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

एसआरएम के चांसलर को फैलोशिप सम्मान

चेन्नई (एजेंसी)। इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री (आईसीडी) सेक्शन वीआई (भारत, श्रीलंका और नेपाल) ने एसआरएमइंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएचटी) के फाउंडर चांसलर डॉ. टी.आर. पारीवेंधर को ऑनररी फैलोशिप प्रदान करते हुए सम्मानित किया है। नॉन-डेंटिस्ट/नॉन-मेडिकल क्षेत्र में यह डिस्टिंक्शन शायद ही कभी किसी को मिलती है, परंतु डॉ पारीवेंधर जी को यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह फेलोशिप शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा वितरण के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानित करता है। कट्टनकुलथुर स्थित एसआरएमआईएचटी में एसआरएम कट्टनकुलथुर डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित आईसीडी की वार्षिक बैठक एवं दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ. पारीवेंधर को इन दोनों क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए पहचाना गया था। आईसीडी के ग्लोबल प्रेसिडेंट डॉ. आयन एम. डॉयल एवं आईसीडी सेक्शन वीआई की प्रेसिडेंट डॉ. मीरा वर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने उन्हें ऑनररी फैलोशिप से नवाज़ा।

जियो हॉटस्टार पर लाइव प्रसारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। जियो हॉटस्टार महाशिवरात्रि द डिवाइन नाइट के साथ एक अनोखे और मनमोहक महाशिवरात्रि कार्यक्रम के प्रसारण के लिए पूरी तरह तैयार है, जो 26 फरवरी को शाम 6 बजे से शुरू होने वाला 12 घंटे का विशेष लाइव प्रसारण होगा और पूरे देश में इस पवित्र उत्सव की भव्यता को प्रदर्शित करेगा। अपनी तरह का एक पहला, मल्टी-फॉर्मेट, मल्टी-लोकेशन, मल्टी-स्ट्रीम लाइव इवेंट, महाशिवरात्रि : द डिवाइन नाइट, देश भर के ज्योतिर्लिंगों की 20 से ज़्यादा आरतियों तक रीयल-टाइम पहुँच के साथ साथ भारत को एक दिव्य उत्सव में एकजुट करने का विश्वास दिलाता है, जिससे दर्शक अपने घरों में बैठे ही इस उत्सव में भाग ले सकेंगे। इस लाइव इवेंट के सीधे प्रसारण में दर्शक सभी ज्योतिर्लिंगों की 20 से ज़्यादा आरतियों को रीयल-टाइम में देख सकते हैं,क्योंकि देश भर से प्रसारित ये उत्सव उनके डिवाइस पर होंगे। इसके ज़रिये वे आरतियों के महत्व को समझ सकते हैं और साथ ही अनुष्ठानों के अर्थ को भी गहराई से समझ सकते हैं।

रिलायंस असम में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी : अंबानी

गुवाहाटी (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मंगलवार को कहा कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में असम में पांच अलग-अलग क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। 'एडवांटेज असम' व्यापार शिखर सम्मेलन में अंबानी ने कहा कि यह पैसा असम को प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए तैयार करने के लिए निवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2018 के निवेश शिखर सम्मेलन में मैंने 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। तब से निवेश 12,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। यह राशि चौगुनी हो जाएगी और हम अगले पांच वर्ष में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। अंबानी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में यह राशि लगाई जाएगी, उनमें हरित व परमाणु ऊर्जा, खाद्य व गैर-खाद्य उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला और रिलायंस के खुदरा स्टोर का विस्तार शामिल है। पूर्वोत्तर के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर के बारे में अंबानी ने कहा कि आपने (मोदी) असम और शेष पूर्वोत्तर को भारत के विकास के नक्शे के केंद्र में ला दिया है।

क्रेडिफिन महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश में 300 से अधिक लोगों को करेगी नियुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी क्रेडिफिन ने सोमवार को कहा कि वह महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में परिचालन का विस्तार करेगी और अगले दो महीनों में 300 से अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करेगी। क्रेडिफिन 11 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में उपस्थिति के साथ, 150 से अधिक स्थानों पर काम करती है और 550 से अधिक लोगों को रोजगार दे रही है। क्रेडिफिन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अपने विस्तार के हिस्से के रूप में, कंपनी इन राज्यों में कार्यबल की भर्ती कर रही है। कंपनी का लक्ष्य अगले दो महीनों में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 300 से अधिक लोगों को नियुक्त करना है। कंपनी महाराष्ट्र के नागपुर, मुंबई, नवी मुंबई और पुणे जैसे प्रमुख शहरों और छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर और कोरबा जैसे स्थानों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की योजना बना रही है। कंपनी मध्य प्रदेश में, विशेषकर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर, सागर, रीवा, सतना, नीमच और गुना जैसे शहरों में नए ऋण प्रस्ताव पेश करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी मध्य प्रदेश में अबतक वाहन कर्ज दे रही थी। अब वह आवास ऋण देने की तैयारी में है। क्रेडिफिन लिमिटेड की सीईओ शल्य गुप्ता ने कहा कि मध्य प्रदेश में आवास ऋण की शुरुआत के साथ-साथ महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में हमारा विस्तार, भारतीय वित्तीय सेवा बाजार में प्रमुख इकाई बनने की हमारी यात्रा में मील का पत्थर है।

रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंचा सोना, अभी और चमकेगी कीमत

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की मांग बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोल्ड की कीमतों में लगातार तेजी जारी है और यह एक बार फिर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंच गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की मांग बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड प्रति औंस 2,950.39 तक पहुंच गया, जो इसके 2,956.15 के सर्वकालिक उच्च स्तर से महज 6 कम है। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स भी 0.1त्न उछलकर 2,967.40 प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं, भारतीय बाजार में 24 कैरट गोल्ड प्रति 10 ग्राम 87,880 रुपए और 22 कैरट गोल्ड 80,560 रुपए तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों में अभी और तेजी देखी देखने को मिल सकती है। वैश्विक स्तर पर राजनीतिक

अनिश्चितता और अमेरिकी टैरिफ के चलते महंगाई बढ़ने की आशंका ने गोल्ड की चमक बढ़ाई है। बाजार की नजरें फिलहाल इस बात पर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने मार्च में मैक्सिको और कनाडा से आयात पर टैरिफ लागू कर देंगे या नहीं। यह टैरिफ इसी महीने 1 फरवरी से लगना था लेकिन ट्रंप ने इसे एक महीने आगे खिसका दिया और इसकी डेडलाइन 4 मार्च है। इसके अलावा फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करेगा या नहीं, इससे जुड़ी अनिश्चितता के चलते भी निवेशकों के सेंटिमेंट पर असर पड़ रहा है लेकिन मार्केट पहले ही मानकर चल रहा है कि रेट कट में अभी लंबा समय लगेगा तो गोल्ड की कीमतों पर इसका असर फिलहाल सीमित ही है। इसके अलावा निवेशक अमेरिकी पर्सनल कंज्म्प्शन एक्सपेंडिचर्स (क्कष्टश्व) रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं जो शुक्रवार को आएगा और इससे रेट में कटौती को लेकर कुछ अंदाजा मिलेगा।

कैसी रहेगी गोल्ड की चमक?

कामा ज्वेलरी के एमडी कोलिन शाह का मानना है कि बढ़ती अस्थिरता और अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़ों के कारण सोना मजबूत रहेगा। उनका मानना है कि नियर टर्म में प्रॉफिट बुकिंग दिख सकती है लेकिन मिड से लॉन्ग टर्म में रुझान बुलिश ही है और मिड टर्म में गोल्ड प्रति औंस 3000 डॉलर तक पहुंच सकता है।

करेंसी मार्केट में मचा कोहराम रुपए में फिर आई गिरावट

अमेरिकी व्यापार शुल्कों को लेकर जारी अनिश्चितता जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी व्यापार शुल्कों को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बीच आयातकों की मासांत की डॉलर मांग के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 51 पैसे लुढ़ककर 87.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की सतत निकासी ने भी रुपए की गिरावट में योगदान दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.83 पर कमजोर खुला और दिन भर गिरावट जारी रहने के बाद कारोबार के अंत में 87.23 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 51 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया 86.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।%% मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि अमेरिकी व्यापार शुल्कों के बारे में अनिश्चितता और आयातकों की मासांत की डॉलर मांग के बीच रुपए में तेज गिरावट दर्ज हुई। वायदा अनुबंध की समाप्ति के कारण शॉर्ट पोजिशन को कवर करने से भी रुपए पर दबाव पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि घरेलू बाजारों में समग्र कमजोरी और एफआईआई की ओर से सतत निकासी के कारण रुपया नकारात्मक कारोबार करेगा।

हाईफन फूड्स व हार्वेस्टआई में साझेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की प्रमुख आलू प्रोसेसिंग कंपनी और फ्रोजन आलू प्रोडक्ट्स की सबसे बड़ी निर्माता, हाईफन फूड्स ने यू.के. की मशहूर फसल इनसाइट्स कंपनी, हार्वेस्टआई के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा करी। इस साझेदारी के तहत हाईफन फूड्स भारत में उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी लेकर आएगी।

यह साझेदारी किसानों को बेमिसाल टेक्नोलॉजी मुहैया कराएगी जिससे वह उनकी फसल की पूरी क्षमता का लाभ उठा सकेंगे। हाईफन ग्रुप के एमडी और ग्रुप सीईओ, हरेश करमचंदानी ने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी हमारे विजन के अनुरूप है, जो ताजा उपज से जुड़े खाद्य उद्योग में क्रांति लाने पर केंद्रित है। हाईफन ग्रुप की एग्रीबिजनेस यूनिट, हाईफार्म के जरिए हम आलू खेती में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी ला रहे हैं। हाईफार्म हमेशा नई डिजिटल टेक्नोलॉजी और प्रिसिजन कृषि उपकरणों को अपनाने पर जोर देता है, ताकि आलू की फसल की उत्पादकता, लाभ और गुणवत्ता में सुधार हो सके। यह आलू मूल्य श्रृंखला को बेहतर बनाता है, और फसल के नुकसान को कम करने में मदद करता है। हार्वेस्टआई, उन्नत मशीन लर्निंग (एएमएल) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित विजन सिस्टम का इस्तेमाल करेगा, जो आलू की फसल का आकार, संख्या और वजन जैसी जानकारियां साथ के साथ देगा। यह साझेदारी हार्वेस्टआई को हाईफार्म के अग्रणी किसान- कनेक्ट डिजिटल इकोसिस्टम फार्मोजी से जोड़ने में भी सक्षम बनाती है।

टाटा और एयरटेल डीटीएच बिजनेस के मर्जर की तैयारी में, एयरटेल को मिलेगी बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । टाटा और भारती ग्रुप अपने घाटे में चल रहे डीटीएच बिजनेस के मर्जर की तैयारी में हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, टाटा ग्रुप के टाटा प्ले और एयरटेल के डिजिटल टीवी के मर्जर का फैसला ऐसे समय लिया गया है जब लोग टीवी के बजाय ऑनलाइन वीडियो और लाइव स्ट्रीमिंग देखना पसंद कर रहे हैं। यह मर्जर शेयरों की अदला-बदली के जरिए होगा। इससे एयरटेल के नॉन-मोबाइल रेवेन्यू में इजाफा होगा। सूत्रों का कहना है कि इस जॉइंट वेंचर में एयरटेल की 50प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होगी। टाटा प्ले भारत की सबसे बड़ी डीटीएच प्रोवाइडर है जिसे पहले टाटा स्काई के नाम से जाना जाता था। टाटा प्ले की शुरुआत रूपर्ट मर्डोक के न्यूज कॉर्प के साथ एक जॉइंट वेंचर के रूप में हुई थी। 2019 में जब वॉल्ट डिज्जी कंपनी ने मर्डोक की 21एसटी सेंचुरी फॉक्स का अधिग्रहण किया, तो यह हिस्सेदारी उसके पास चली गई। इस मर्जर से एयरटेल को टाटा प्ले के 1.9 करोड़ घरों तक पहुंच मिल जाएगी। यह एयरटेल की ट्रिपल प्ले रणनीति को मजबूत करेगा। इस रणनीति के तहत कंपनी टेलीकॉम, ब्रॉडबैंड और डीटीएच सेवाओं का एक साथ ऑफर देगी। डीटीएच क्षेत्र में लगभग एक दशक बाद यह दूसरा बड़ा सौदा होगा। इससे पहले 2016 में डिश टीवी और वीडियोकॉन डीडब्ल्यूएस का विलय हुआ था।

बंधन म्यूचुअल ने नया फंड लॉन्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंधन म्यूचुअल फंड ने अपना नया बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स 10:90 गिल्ट + एसडीएल इंडेक्स दिसंबर 2029 फंड लॉन्च करने की घोषणा की है, जो एक ओपन-एंडेड टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड है जो निवेशकों को एक स्ट्रक्चर्ड और सॉवरेन-समर्थित निवेश का मौका प्रदान करता है।

यह फंड 90 प्रतिशत स्टेट डेवलपमेंट लोन्स (एसडीएल) और 10 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) वाले पोर्टफोलियो में निवेश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दिसंबर 2029 में निर्धारित मैच्योरिटी के साथ, यह फंड निवेशकों को निवेश अवधि और रिटर्न क्षमता पर स्पष्टता के साथ विकसित ब्याज दर साइक्लि में भाग लेने की सुविधा देता है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 25 फरवरी, 2025 को निवेश के लिए खुलेगा और 05 मार्च, 2025 को बंद होगा। निवेशक लाइसेंस प्राप्त म्यूचुअल फंड वितरकों, निवेश सलाहकारों, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और सीधे बंधन म्यूचुअल डॉट कॉम के माध्यम से फंड में निवेश कर सकते हैं। नए फंड के लॉन्च के मौके पर, विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी ने कहा कि फिक्सड-इनकम लैंडस्कैप तेजी से डेवलप हो रहा है, जिससे निवेशकों के लिए बाजार की बदलती परिस्थितियों को नेविगेट करने के लिए सही इंस्ट्रूमेंट्स का चयन करना आवश्यक हो गया है। एक निर्धारित मैच्योरिटी तारीख वाले फंड में निवेश करने से निवेशकों को हाई क्वालिटी इंस्ट्रूमेंट्स तक पहुंच मिलती है जो स्कीम्स की मैच्योरिटी तक रखने पर रिटर्न की उचित मौजूदगी के साथ आसान तरलता प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, अभी, 4-5 वर्षों में मैच्योर होने वाले एसडीएल की उच्च मांग होने की उम्मीद है क्योंकि हम दरों में कटौती वाले दौर में प्रवेश कर रहे हैं। बंधन क्रिसिल-आईबीएक्स 10:90 गिल्ट + एसडीएल इंडेक्स - दिसंबर 2029 फंड को निवेशकों को अधिकतम अवधि और उचित एक्क्रुअर्ल्स के साथ एक सॉवरेन समर्थित पोर्टफोलियो की पेशकश करके इन डायनेमिक्स का लाभ उठाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विराट कोहली से बेहतर वनडे खिलाड़ी नहीं देखा रिकी पोंटिंग ने विराट की तारीफ में पढ़ीं कसीदें

कोहली पाक के खिलाफ मैच के दौरान सबसे तेजी से वनडे में 14000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

दुबई (एजेंसी)। कोहली पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान सबसे तेजी से वनडे में 14000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने इस मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया था। कोहली दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस प्रारूप में 14000 रनों का आंकड़ा छूआ है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने वनडे में कोहली से बेहतर खिलाड़ी नहीं देखा है। पोंटिंग का मानना है कि कोहली 50 ओवर के प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ने में सफल होंगे। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रनों की पारी खेली थी। यह उनके वनडे

करियर का 51वां शतक था। कोहली पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान सबसे तेजी से वनडे में 14000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने इस मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया था। कोहली दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस प्रारूप में 14000 रनों का आंकड़ा छूआ है। उनके अलावा सचिन और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा ही इस उपलब्धि तक पहुंचे हैं। कोहली के वनडे में फिलहाल 14085 रन हैं और वह सचिन से 4341 रन पीछे हैं। सचिन के नाम वनडे में 18426 रन बनाने का रिकॉर्ड है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने कोहली के अलावा वनडे में इतना अच्छा खिलाड़ी देखा है। उन्होंने रन बनाने के मामले में मुझे पीछे छोड़ दिया है और अब उनसे दो बल्लेबाज ही आगे हैं। मुझे यकीन है कि वह चाहेंगे कि उनका नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे। पोंटिंग का कहना है कि कोहली के लिए यह असंभव कार्य नहीं है। उन्होंने कहा, शारीरिक रूप से कोहली फिट हैं और वह अपने खेल पर काफी मेहनत भी कर रहे हैं। कोहली लंबे समय से काफी अच्छा कर रहे हैं, लेकिन सचिन को पीछे छोड़ने के लिए उन्हें अभी भी 4000 रन और बनाने हैं। यह दिखाता है कि सचिन कितने शानदार बल्लेबाज थे, लेकिन यह इसलिए भी था क्योंकि वह लंबे समय तक इस खेल को खेलते रहे। कोहली जैसे खिलाड़ी को आप नजर अंदाज नहीं कर सकते। उनमें रन बनाने की भूख बाकी है, इसलिए जब बात सचिन को पीछे छोड़ने की हो तो मैं उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। पोंटिंग ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कोहली अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कोहली को बड़े मैच का खिलाड़ी बताया।

रोहित और शमी अगले मैच में खेलेंगे : श्रेयस अय्यर

रोहित शर्मा और तेज मोहम्मद शमी फिट हैं

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और तेज मोहम्मद शमी फिट है और अगले मैच खेलेंगे। श्रेयस ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की बातें सही नहीं हैं। वहीं मोहम्मद शमी की पिंडली में दर्द ठीक है। इन दोनों खिलाड़ियों की चोट के बाद प्रशंसकों की चिंताएं बढ़ गई थीं। पाकिस्तान की पारी के अंतिम ओवरों में जब रोहित गेंद पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे, तो उन्हें असहज देखा गया था। तभी से ये आशंका हुई कि कप्तान को हैमस्ट्रिंग से जुड़ी समस्या हो सकती है। इस दौरान रोहित काफी देर तक मैदान से बाहर रहे पर अय्यर ने कहा कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि रोहित ने अपनी चोट के बारे में चिंता जताई थी, लेकिन वे सहज थे और इसे ज्यादा गंभीर नहीं मानते थे। वहीं शमी को पिंडली में दर्द महसूस हुआ, जिसके कारण उन्हें उपचार के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। शमी अब बेहतर महसूस कर रहे थे और उनकी स्थिति स्थिर थी। मैच के बाद श्रेयस अय्यर से इन दोनों खिलाड़ियों की चोट पर सवाल पूछा गया। उन्होंने दोनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करने के बजाय यह कहा कि उनकी चोटों को लेकर कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दोनों खिलाड़ी ठीक हैं और कोई समस्या नहीं है। मैंने उनसे बात की थी और वे दोनों ही इस बारे में बहुत सहज थे। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने बांग्लादेश भारतीय टीम का अगला मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होने वाला है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

नवजोत सिंह सिद्धू ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में 10 से 15 शतक और लगा सकते हैं। सिद्धू ने कहा कि विराट ने जिस प्रकार चैंपियंस ट्रॉफी के अहम मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाया उससे पता चलता है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट बचा है। भारत के पावरप्ले में एक विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए विराट कोहली ने दबाव के हालातों में भी शतक लगा दिया। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, चरित्र संकट में नहीं बनता बल्कि दिखता है। विराट जोश और जुनून से भरा हुआ है और इस शतक के बाद मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह व्यक्ति अगले 2 या 3 साल तक खेलेगा और वह 10 या 15 शतक और लगाएगा। किसी के लिए भी सबसे बड़ा परीक्षण यह है कि वह कठिन समय से कैसे गुजरता है और वह कैसे कठिनाइयों को अपनाता है। सिद्धू ने कहा, पिछले छह महीनों में इतना कुछ हुआ है कि उसने अपना पल चुन लिया। जब उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाए तो लोग इसे एक दशक तक नहीं भूलेंगे। कोहली ने साल 2008 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शतक बनाने के साथ ही 14,000 रन बनाने का आंकड़ा भी पार कर लिया है। वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। कोहली को यह उपलब्धि हासिल करने में 298वें वनडे मैच का सफर तय करना पड़ा है। उन्होंने एकदिवसीय में अब तक 73 अर्धशतक और 50 से अधिक शतक बनाए हैं। सिद्धू ने कहा, वह रनों के लिए भूखा था। पाक के खिलाफ दबाव के बीच ये पारी ऐसी थी, जिसे लेकर हम जरूर कह सकते हैं कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आसानी से अगले 3 से 4 साल में नए रिकार्ड स्थापित करेंगे।

पाकिस्तान की करारी शिकस्त पर फूटा सना मीर का गुस्सा

दुबई (एजेंसी)। भारत से मिली करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान की टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में पाकिस्तान की महिला टीम की पूर्व कप्तान सना मीर ने भी मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली टीम को लताड़ लगाई है। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का जिक्र करते हुए कहा कि वह भी इस टीम का कुछ नहीं कर सकते। पाकिस्तान की टीम को अपने पहले दो मैच में न्यूजीलैंड और भारत से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ से बाहर हो गई। उसे अपने आखिरी मैच में अब बांग्लादेश का सामना करना है। सना ने गेम ऑन है कार्यक्रम में कहा- चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जिन 15 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, उसे देखते हुए अगर आप महेंद्र सिंह धोनी या (पाकिस्तान के पूर्व कप्तान) यूनिस खान को भी कमान सौंप दो तब भी कुछ नहीं होने वाला क्योंकि टीम का चयन खेल की परिस्थितियों को देखकर नहीं किया गया है। मोहम्मद रिजवान की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को भारत से छह विकेट से हार झेलने के बाद लगातार आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बनी 39 वर्षीय सना ने कहा- मैं मैच देख रही थी तो तब मेरे एक दोस्त का फोन आया कि भारत ने दो विकेट पर 100 रन बना लिए हैं मुझे लगता है कि मैच खत्म हो गया है। मैंने उससे कहा कि पाकिस्तान का खेल तो तभी खत्म हो गया था जब टीम घोषित की गई थी। पाकिस्तान की तरफ से सीमित ओवरों के 300 से अधिक मैच खेलने वाली सना ने कहा कि टीम का चयन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर नहीं किया गया।

वेंकटेश अय्यर ने जताई कोलकाता नाइट राइडर्स की कमान संभालने की इच्छा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने आगामी आईपीएल सत्र में टीम की कमान संभालने की इच्छा जाहिर की है। वेंकटेश का कहना है कि भले ही उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के किसी स्तर पर कप्तानी का अनुभव नहीं है, लेकिन अगर उन्हें टीम की कमान संभालने का मौका मिला तो वह इसके लिए तैयार रहेंगे। गत चैंपियन केकेआर की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम ने अब तक इस सत्र के लिए कप्तान की घोषणा नहीं की है। पिछले सीजन श्रेयस अय्यर ने केकेआर का नेतृत्व किया था और अपनी कप्तानी में टीम को आईपीएल 2024 का विजेता बनाया था। केकेआर ने इस सीजन के लिए श्रेयस को रिटेन नहीं किया और खिलाड़ियों की बड़ी नीलामी में पंजाब किंग्स ने श्रेयस को खरीदा। कप्तानी को लेकर वेंकटेश ने कहा, जाहिर है कि मैं इसके लिए तैयार हूं, मैंने हमेशा यह कहा है। कप्तानी एक टैग है। मैं लीडरशीप में भरोसा करता हूं। एक नेतृत्वकर्ता होने के नाते यह एक बड़ी भूमिका है। इस बारे में कोई अस्पष्टता नहीं है। अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं निश्चित रूप से इसे करूंगा। ऐसा नहीं करने का कोई कारण नहीं है। वेंकटेश ने कहा कि कप्तान को अच्छा आदर्श बनकर उदाहरण स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आपको अपने ड्रेसिंग रूम में नेतृत्वकर्ता बनने के लिए कप्तान के ठप्पे की आवश्यकता नहीं है। आपको उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता है।

फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण विदर्भ का केरल पर पलड़ा भारी

नागपुर (एजेंसी)। विदर्भ ने ग्रुप चरण में सात मैचों में छह मैच में जीत हासिल की। इसके बाद उसने क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु को 198 रन से और सेमीफाइनल में गत चैंपियन मुंबई को 80 रन के बड़े अंतर से हराया। विदर्भ 2017-18 और 2018-19 में रणजी चैंपियन बना था जबकि केरल की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। विदर्भ की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। अपने प्रमुख खिलाड़ियों के शानदार फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण पूर्व चैंपियन विदर्भ की टीम केरल के खिलाफ बुधवार से नागपुर में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। अक्षय वाडकर की अगुवाई वाली विदर्भ की टीम ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अब तक अपने नौ मैचों में से आठ में जीत हासिल की है और एक ड्रा खेला है। विदर्भ ने ग्रुप चरण में सात मैचों में छह मैच में जीत हासिल की। इसके बाद उसने क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु को 198 रन से और सेमीफाइनल में गत चैंपियन मुंबई को 80 रन के बड़े अंतर से हराया। विदर्भ 2017-18 और 2018-19 में रणजी चैंपियन बना था जबकि केरल की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। विदर्भ की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। वह पिछले साल फाइनल में मुंबई से हार गई थी जिसकी भरपाई वह इस साल करना चाहेगी।

कुलदीप यादव को आने वाले मैचों में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

कुलदीप आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अच्छी गेंदबाज करने से उत्साहित हैं

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अच्छी गेंदबाज करने से उत्साहित हैं। कुलदीप ने इस मैच में तीन विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कुलदीप ने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भी प्रभावी गेंदबाजी की थी हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। कुलदीप ने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि अब वह इस टूर्नामेंट के बाकि मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद से ही तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे। इस कारण उनकी फार्म को

लेकर संदेह जताया जा रहा था। कुलदीप ने कहा कि सर्जर के बाद फिट होने में तकरीबन छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। बांग्लादेश के खिलाफ भी मेरी लय अच्छी थी। कुलदीप पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। पाक के खिलाफ जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं। कुलदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन-चार मैच खेले हैं। मैं जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी ही अच्छी गेंदबाजी करूंगा उतना ही बेहतर होता जाउंगा। कुलदीप ने पाकिस्तान के निचले क्रम के बल्लेबाजों सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए।

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 के लिए श्रीधरन को सहायक कोच बनाया

श्रीराम पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, 2000 से 2004 के बीच आठ वनडे मैच खेले थे

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम को शामिल किया है। श्रीराम पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, और उन्होंने भारतीय टीम के लिए 2000 से 2004 के बीच आठ वनडे मैच खेले थे।

हालांकि उन्हें भारतीय टीम में ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रभाव था और वे एक शानदार ऑलराउंडर रहे हैं। श्रीराम की नियुक्ति सीएसके के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गेंदबाजी समझ

और अनुभव सीएसके के बॉलर को और भी बेहतर बना सकता है। सीएसके पास महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना जैसे अहम खिलाड़ी हैं। सीएसके के प्रशंसकों में इस बार काफी उत्साह है सीएसके ने इस बार के मेगा नीमी में कई बड़े खिलाड़ी खरीदे हैं, जिनमें दिग्गज स्पिन गेंदबाज आर अश्विन का नाम प्रमुख है। अश्विन के होने से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। टीम के पास नए खिलाड़ी जैसे नूर अहमद, खलील अहमद, और राहुल त्रिपाठी भी हैं जिससे उसे काफी उम्मीदें हैं। सीएसके की टीम में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं जिससे वह अलग-अलग परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। सीएसके के प्रशंसकों के लिए यह सत्र खास होने वाला है, क्योंकि टीम ने इस बार अपनी रणनीति को और भी मजबूत किया है।

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी दीप्ति शर्मा की टीम, यूपी का मुंबई से आज होगा आमना-सामना

वॉरियर्स की सोफी एक्लेस्टोन ने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ सुपर ओवर में रोमांचक जीत दर्ज करने से उत्साहित यूपी वॉरियर्स की टीम को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अपनी लय बरकरार रखने के लिए बुधवार को यहां मुंबई इंडियंस की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। वॉरियर्स की आरसीबी के खिलाफ जीत में सोफी एक्लेस्टोन ने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उसके अन्य बल्लेबाजों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने की जरूरत है।

इन खिलाड़ियों ने किया प्रभावित : वॉरियर्स को जहां चिनेले हेनरी ने दिल्ली कैपिटल्स के

खिलाफ जीत दिलाई, वहीं आरसीबी के खिलाफ जीत में एक्लेस्टोन ने अहम भूमिका निभाई। उसकी सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे और श्वेता सहरावत ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वे अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाई हैं।

जीत की लय बरकरार रखने पर होंगी यूपी की नजरें : सलामी बल्लेबाज वृंदा दिनेश और कप्तान दीप्ति शर्मा को बीच के ओवरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। वॉरियर्स की टीम में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ताहलिया मैक्ग्रा जैसी मैच विजेता खिलाड़ी भी है लेकिन वह अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन पर सुनील गावस्कर बोले- भारतीय 'बी' टीम को हराना भी कठिन

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराते ही पाकिस्तान की सभी उम्मीदें धूमिल हो गईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में खिताब के बचाव के इरादे से उतरा था, लेकिन उसे ग्रुप ए के मैच में न्यूजीलैंड और फिर भारत से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने सोमवार को बांग्लादेश को हराया जिससे पाकिस्तान की सभी उम्मीदें धूमिल हो गईं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है और अब पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने भी उसके मजे लिए हैं। गावस्कर का कहना है कि पाकिस्तान को भारतीय बी टीम को हराने के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में गत

चैंपियन पाकिस्तान छह विकेट से हराया था। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में खिताब के बचाव के इरादे से उतरा था, लेकिन उसे ग्रुप ए के मैच में न्यूजीलैंड और फिर भारत से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने सोमवार को बांग्लादेश को हराया जिससे पाकिस्तान की सभी उम्मीदें धूमिल हो गईं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और ग्रुप चरण के अंतिम मैच में उसका सामना 27 फरवरी को बांग्लादेश से होगा। पाकिस्तान 1996 के बाद पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, लेकिन पाकिस्तान टीम घर में ही जीत दर्ज नहीं कर सकी। पाकिस्तान ने 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, लेकिन उसके बाद से टीम का प्रदर्शन गिरता चला गया। गावस्कर ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, मेरे ख्याल से भारत की बी टीम पाकिस्तान को कड़ी टक्कर दे सकती है। सी टीम के लिए मैं यकीन से नहीं कह सकता है, लेकिन पाकिस्तान की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उसके लिए भारत की बी टीम को हराना भी काफी कठिन होगा। पाकिस्तान की बेंच स्ट्रेंग्थ में कमी आश्चर्य करती है।

16 साल में पहली बार ग्रुप चरण से बाहर हुई पाक टीम , कई गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा

पाकिस्तान टीम शुरुआत के दोनों ही मुकाबले में चुनौती पेश नहीं कर सकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गत चैंपियन और मेजबान पाकिस्तान का सफर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप चरण में ही थम गया है। न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत के साथ ही पाकिस्तान की सभी उम्मीदें खत्म हो गई और ग्रुप ए से भारत तथा न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान टीम शुरुआत के दोनों ही मुकाबले में चुनौती पेश नहीं कर सकी और उसने कई गलतियां की जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

दिलचस्प बात यह है कि 19

फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया। पाकिस्तान को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उस वक्त झटका लगा था जब उसके स्टार ओपनर सईम अयूब चोट से उबर नहीं सके और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए फखर जमां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच की दूसरी ही गेंद पर फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए जिससे भारत के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो सके। गेंदबाजी विभाग भी उतना प्रभावशाली नहीं रहा क्योंकि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी नहीं कर सके। पाकिस्तान की टीम में अबरार अहमद के तौर पर सिर्फ एक विशेषज्ञ गेंदबाज था, लेकिन उनका समर्थन करने के लिए दूसरे छोर पर स्पिनर की कमी थी। यह भी पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन का एक कारण रहा।

वसीम अकरम ने कहा, पाकिस्तान टीम में बड़े बदलावों की जरूरत

पाक के पूर्व क्रिकेटर ने चयन समिति पर भी सवाल उठाये

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे वसीम अकरम ने चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के खिलाफ मिली हार के बाद अपनी टीम की जमकर आलोचना की है। अकरम ने कहा कि अब टीम में कई बड़े बदलाव करने होंगे। साथ ही कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो टीम हारती रहेगी। इसलिए 2026 विश्वकप की तैयारी अभी से करनी होगी। अकरम ने तेज गेंदबाजों को भी फटकार लगायी और कहा कि उनका प्रदर्शन काफी खराब था। अकरम ने ड्रेसिंग रूम शो में कहा, कठोर कदम उठाने की जरूरत है। हम सदियों से सफेद गेंद से

पुरानी क्रिकेट खेल रहे हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है। निडर क्रिकेटरों, युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल करें। अगर आपको पांच-छह बदलाव करने हैं। तो वह भी करें। उन्होंने आगे कहा, आप अगले छह महीने तक हारते रहेंगे। यह ठीक है, लेकिन अभी से 2026 विश्व टी20 के लिए टीम बनाना शुरू कर दीजिए। अकरम ने पाकिस्तान की गेंदबाजी की भी आलोचना करते हुए कहा कि उनका एकदिवसीय क्रिकेट में दूसरा सबसे खराब औसत है। उन्होंने कहा कि बस बहुत हो गया। आपने उन्हें स्टार बना दिया है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

महाशिवरात्रिः आध्यात्मिक जागरण और आत्मशुद्धि का महापर्वः राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए भगवान शिव से सभी के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि यह पर्व आत्मचिंतन, भक्ति और आत्मशुद्धि का प्रतीक है, जो हमें जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि शिव आराधना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संयम, समर्पण और आत्म-अनुशासन का संदेश देती है। महाशिवरात्रि की यह रात्रि हमें सिखाती है कि अज्ञान और अंधकार को भगवान शिव की भक्ति और सत्य के मार्ग से दूर किया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर पर शिव साधना के साथ समाज कल्याण, सेवा और परोपकार का संकल्प लें। भगवान शिव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और प्रदेश को सुख, शांति व समृद्धि प्रदान करें।

नगरों के समग्र विकास के लिये नगरीय निकायों में अपनायी जायेंगी बेस्ट प्रेक्टिस

'सिटीज ऑफ टुमारो विषय पर सत्रों में हुई चर्चा

भोपाल। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ला ने आज भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नगरीय प्रशासन के विशेष सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश में देश की उन सभी बेस्ट प्रेक्टिस को अपनाया जायेगा, जिससे मध्यप्रदेश में नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकायों के आय के स्रोत बढ़ाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। प्रमुख सचिव शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों में ई-नगरपालिका प्रोजेक्ट को लागू किया जा रहा है। प्रमुख सचिव शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों के सामने अपशिष्ट प्रबंधन एक चुनौती है। इसके लिये जन-भागीदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा। सत्र में 2 विषयों सिटीज ऑफ टुमारो और ग्रीन क्लीन लिवबल सिटी पर विषय-विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किये। सिटीज ऑफ टुमारो विषय पर चेयरमेन सन बिल्डर्स एवं प्रेसीडेंट इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर इण्डिया एन.के. पटेल ने कहा कि शहरों के विस्तार के लिये भूमि को रिजर्व में रखना जरूरी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड राहुल देहिया, को-फाउण्डर एमडी सिग्नेचर ग्लोबल ग्रुप रवि अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के लिये नियोजित टाउनशिप होना जरूरी है। टाउनशिप में सभी वर्गों के लोगों को जगह मिले, यह सुनिश्चित हो और वहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ हों। इस व्यवस्था से शहरी क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट पर दबाव कम होगा। निदेशक कॉमर्शियल रियल एस्टेट हीरानंदानी ग्रुप मनीष गुप्ता ने प्रदेश में हाल ही में जारी इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी का स्वागत किया।

परीक्षा में तनावमुक्त और संयमित रहें : कलेक्टर

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उन्होंने अपने संदेश में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा एक अवसर है, चुनौती नहीं। इसलिए, सभी विद्यार्थी आत्मविश्वास और सकारात्मकता के साथ परीक्षा में भाग लें। उन्होंने छात्रों को यह भी सलाह दी कि वे परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के तनाव से दूर रहें और शांत मन से प्रश्नों को हल करें। कलेक्टर सिंह ने विद्यार्थियों को परीक्षा के समय संयम बनाए रखने का भी आग्रह किया।

बेटे भाग्य से और बेटियां सौभाग्य से मिलती हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आष्टा में हुआ सामूहिक विवाह कार्यक्रम, सामाजिक समरसता का आदर्श

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे लिए यह सुखद अहसास है कि आज आष्टा की पावन धरा पर मुख्यमंत्री कन्या विवाहा और निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में एक साथ 990 बेटियां दुल्हन बनी हैं। इनमें 792 जोड़े हिंदू और 198 जोड़े मुस्लिम रीति-रिवाज से परिणय सूत्र में बंधे हैं, यह सामाजिक समरसता का आदर्श उदाहरण है। शादी के बंधन में बंधने वाले 2 जोड़े कल्याणी विवाह योजना एवं 2 जोड़े निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आष्टा सीहोर में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास, भोपाल से वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने को आष्टा में हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई एवं विवाहित दंपतियों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ प्रदेश को समृद्ध बनाने के लिए नीतियों का क्रियान्वयन कर रही है। प्रदेश में योजना के अंतर्गत 19 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह संपन्न कराए गए, जिस पर लगभग 115 करोड़ रुपए का व्यय किया गया। प्रदेश में गरीब, बुजुर्ग, कल्याणी एवं दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। सामाजिक पेंशन योजना के अंतर्गत प्रति माह 337 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक के माध्यम से वितरित किए गए हैं। प्रदेश में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। राज्य सरकार सभी पात्र हितग्राहियों को लाडली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में विवाह जन्म-जन्मान्तर तक चलने वाला पवित्र बंधन है। उन्होंने सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने वाले सभी दंपतियों को सुखमय जीवन की मंगलकामनाएं दीं। आष्टा में हुए कार्यक्रम में विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, श्रीमती रचना मेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष सीहोर श्रीमती दीक्षा गुणवान जनपद पंचायत अध्यक्ष आष्टा तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

हमारा संकल्प मप्र विकसित भारत का ध्वज वाहक बने : सीएम डॉ मोहन यादव

ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ GIS 2025 का समापन हो रहा है। यह महज समापन नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। GIS मात्र निवेश मंच नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। विकास की यह यात्रा यहीं नहीं रुकेगी। हम निवेशकों के लिए नई नीतियों का निर्माण करेंगे। युवाओं के लिए रोजगार अवसर बनाए जाएंगे। आधारभूत संरचना को मजबूत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने मंगलवार शाम को ग्लोबल इंवेस्टर समिट के समापन के बाद मीडिया के समक्ष इसका ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने समिट की सफलता पर सभी को बधाई दी। साथ ही आयोजन के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

महाशिवरात्रि आज

मप्र के 10 प्राचीन शिवालयों में मनेगा महाशिवरात्रि

भोजपुर, मंदसौर, ओंकारेश्वर सहित इन शहरों में आयोजन

भोपाल। महाशिवरात्रि पर सरकार भोजपुर सहित प्राचीन शिवालयों वाले प्रदेश के दस स्थानों पर महादेव महोत्सव आयोजित कर रही है। इसमें शिव की महिमा सांस्कृतिक स्वरूप में दिखेगी।

भोजपुर में यह महोत्सव तीन दिन का और अन्य केंद्रों पर एक दिवसीय होगा। राज्य सरकार का संस्कृति विभाग हर साल रायसेन जिला प्रशासन के सहयोग से भोजपुर शिव मंदिर में महादेव भोजपुर उत्सव आयोजित करता है। इस साल इस उत्सव का विस्तार हो रहा है।

भोजपुर शिव मंदिर परिसर में महादेव भोजपुर उत्सव तीन दिन का होगा। यह 26 से 28 फरवरी तक चलेगा। पहले दिन प्रसिद्ध सितार वादक ऋषभ रिखिराम शर्मा की प्रस्तुति होनी है। वहीं अंतिम दिन इंडियन आयडल फेम अरुणिता कांजीलाल अपनी गायकी का जादू बिखेरेंगी।

भोजपुर में तीन दिनों में ये प्रस्तुतियां

26 फरवरी - शिव भाई गुप्ता, खरगोन का लोकगायन, अभिलाष चौबे, सागर का बधाई लोकनृत्य, हीरामणि वर्मा, उज्जैन का मटकी लोकनृत्य, सुप्रसिद्ध सितार वादक और गायक ऋषभ रिखीराम शर्मा की प्रस्तुति।

27 फरवरी- अंशुल प्रताप सिंह एवं साथी, भोपाल द्वारा ताल वाद्यकचहरी में शिव तांडव की प्रस्तुति। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में डा. हरिओम पंवार, अनामिका अंबर, विष्णु सक्सेना, बलराम श्रीवास्तव, अमन अक्षर और लक्ष्मण नेपाली का कविता पाठ।

28 फरवरी- राजकुमार ठाकुर, सागर का लोकगायन। संजय महाजन, बड़वाह का गणगौर नृत्य। अमित घारू, सागर का बरेदी एवं नौरता नृत्य। अरुणिता कांजीलाल, नचिकेल लेले एवं समूह का सुगम संगीत।

राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव मदद करने के लिये है तत्पर : राजेन्द्र शुक्ला

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में असीम संभावनाएँ मौजूद हैं। राज्य सरकार निवेशकों के साथ भागीदारी के लिये उत्सुक है। सरकार प्रतिबद्धतापूर्वक निवेशकों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रही है। भविष्य में आने वाली चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए निवेशकों के साथ सदैव पूरी गंभीरता के साथ सहयोग करेगी। मंत्री शुक्ला ने यह बाते मुरैना सोलर प्रोजेक्ट-1 और 2 के प्री-विड के सेशन को संबोधित करते हुए कही। अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने इन प्रोजेक्ट के संबंध में निवेशकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये।

मंत्री शुक्ला ने कहा कि निवेशकों को आश्वस्त किया कि प्रदेश में उनके द्वारा किये गये निवेश की सुरक्षा की पूरी गारंटी है। उन्होंने कहा कि मुरैना क्षेत्र में सोलर पार्क में निवेश करने वालों के लिये अच्छे अवसर उपलब्ध हैं।

मंत्री शुक्ला ने कहा कि जीआईएस-2025 भोपाल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का आना इस बात का द्योतक है कि मध्यप्रदेश निवेश के लिये अनुकूल राज्य है।

एमसीयू में लगी फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मास्टर क्लास, छात्रों को बताया अपनी फिल्मी संघर्ष का सफर

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मास्टर क्लास लगी। माखनपुरम बिशनखेडी परिसर के खचाखच भरे गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में उन्होंने अपने फिल्मी संघर्ष और सफर के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान वे एक बार भावुक भी हुए। 'द एक्सपर्ट शॉट्स' विषय पर आयोजित मास्टर क्लास में विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, प्रमुख सचिव पर्यटन शिवशेखर शुक्ला विशेष रुप से उपस्थित थे।

संचालन निदेशक प्रोडक्शन डॉ. आशीष जोशी द्वारा किया गया। पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होने कहा कि एक संवेदनशील पत्रकार समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। टॉक शो के दौरान

पंकज त्रिपाठी भावुक भी नजर आए। एमसीयू एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मास्टर क्लास 'द एक्सपर्ट शो' में प्रसिद्ध वॉयस ओवर आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह ने पंकज त्रिपाठी से कई रोचक सवाल किए। दोनों दिग्गजों ने अपने अनुभव साझा किए साथ ही विद्यार्थियों को मोटिवेट भी किया।

एक्टिंग बन सकती है एक आध्यात्मिक अनुभव

त्रिपाठी ने कहा कि मेरी यात्रा आपको प्रेरित कर सकती है, लेकिन मेरी गाड़ियां नहीं। इसके साथ ही उन्होंने अभिनय के आध्यात्मिक पहलू को समझाने की कोशिश करते हुए कहा कि अगर कोई अपने माध्यम को सही से समझे तो एक्टिंग भी एक आध्यात्मिक अनुभव बन सकती है। त्रिपाठी ने योग और किताबों की महत्ता पर जोर दिया और योग के महत्व पर भी चर्चा की और कहा कि योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बेहद जरूरी है। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को किताबें पढ़ने को कहा। मध्यप्रदेश के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त करते हुए त्रिपाठी ने कहा कि यहां के लोग बेहद अच्छे हैं और यहां का माहौल भी बहुत सकारात्मक है। मास्टर क्लास में त्रिपाठी से विद्यार्थियों ने कई सवाल पूछे, जिनका उन्होंने बखूबी जवाब दिया।

गेहूँ खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए सभी सुविधाएं सुनिश्चित करें : गोविंद सिंह राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देश दिये हैं कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 के गेहूँ उपार्जन की अवधि के दौरान उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए सभी पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर उपार्जन कार्य से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। खाद्य मंत्री राजपूत ने यह निर्देश मंत्रालय में रबी उपार्जन नीति की समीक्षा के दौरान दिये। राजपूत ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों के लिए छाया की सुविधा के लिए शेड लगवाएं जाएं तथा पीने के पानी, प्रतीक्षा कक्ष, दरियां, टेबल, कुर्सी तथा शौचालय आदि का पर्याप्त प्रबंध करें। उन्होंने निर्देश दिये कि समिति स्तर पर पर्याप्त बिजली की सुविधा, हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन, इलेक्ट्रॉनिक उपार्जन उपकरण तथा किसानों की जानकारी के लिए सूचना पटल पर उपार्जन संबंधी जानकारी प्रदर्शित करें।

आदिवासी शिविर में मोहनखेड़ा पहुंचे कांग्रेस प्रदेश प्रभारी और नेता, पटवारी

षड्यंत्र से लड़ना होगा

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस ने धार जिले के मोहनखेड़ा में सात दिवसीय आदिवासी लीडरशिप डेवलपमेंट प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इसका समापन मंगलवार को किया गया। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया और आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, सह प्रभारी संजय दत्त समेत कई नेता पहुंचे। इस दौरान पटवारी ने कहा कि नफरत फैलाकर बांटने की राजनीति करने वाली भाजपा लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण के खिलाफ सोच-समझ कर, पूरी रणनीति बनाकर बार-बार माहौल बनाती है। इस षड्यंत्र से, मिलकर लड़ना होगा! राहुल गांधी संविधान बचाने के लिए लगातार लड़ाई लड़ रहे हैं।

मोहनखेड़ा में आयोजित मप्र आदिवासी कांग्रेस द्वारा कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में आदिवासी समाज की जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह सिर्फ एक शिविर नहीं, बल्कि आदिवासी हकों की लड़ाई को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक क्षण है।

आदिवासी समाज के साथ हो रहा अन्याय बर्दाश्त नहीं

उमंग सिंघार ने कार्यकर्ताओं कहा कि पहले युद्ध में लड़ने के लिए आदिवासियों को आगे किया जाता था, लेकिन आज के समय में उन्हें पीछे धकेल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के साथ हो रहा यह अन्याय अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस का उद्देश्य आदिवासी समाज को उनके अधिकार और सम्मान दिलाना है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राजनीति का अर्थ पद और सत्ता नहीं, बल्कि समाज सेवा होती है। उन्होंने कहा कि मेरी विचारधारा है कि सिर्फ चुनाव के समय राजनीति होनी चाहिए बाकी 5 साल समाजसेवा। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य हमेशा समाज सुधार, विकास और आदिवासी समाज के अधिकारों की आवाज उठाना रहा है।

एक जिला-एक उत्पाद जोन रहा जीआईएस का विशेष आकर्षण

निवेशकों और मेहमानों ने प्रदेश के उत्पादों को सराहा

भोपाल। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 में आए विदेशी और स्वदेशी निवेशकों के लिये मानव संग्रहालय परिसर में 'एक जिला-एक उत्पाद' जोन बनाया गया। यह जोन एक जिला-एक उत्पाद योजना में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से चयनित उत्पादों के परिचय और निवेश को आकर्षित करने के लिये बनाया गया।

समिट में मध्यप्रदेश के एक जिला-एक उत्पाद योजना में स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से 'वन डिस्ट्रिक-वन प्रोडक्ट विलेज' की वृहद प्रदर्शनी भी लगाई गई। जीआईएस में शामिल विदेशी निवेशकों और मेहमानों के लिये यह जोन विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। निवेशकों ने ओडीओपी जोन में अलग-अलग जिलों के चयनित उत्पादों को देखा, समझा और सराहा।

मानव संग्रहालय परिसर के स्थित ओडीओपी जोन में विदेशी निवेशकों और मेहमानों को प्रदेश की रंग-बिरंगी लोक संस्कृति की झलक दिखाई गई। बुंदेलखंड के बधाई, बैतूल के कोरकू समुदाय का गडली सुसुन नृत्य, बांसूरी की मधुर तान, ढोल और झुंझुरी की थाप ने पूरे माहौल को आनंदित कर दिया।

आतिथियों ने स्थानीय उत्पादों को सराहा, व्यंजनों का उठाया लुत्फ

ओडीओपी जोन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पाद जैसे ग्वालियर सैंड स्टोन, बुरहानपुर केले के प्रोडक्ट, बैतूल मैटल की सजावट सामग्री, शिवपुरी जैकेट, सीहोर लकड़ी के खिलौने आदि उत्पादों का अवलोकन किया। सभी ने उत्पादों की गुणवत्ता और रचनात्मकता की सराहना की। मेहमानों ने बुंदेली, मालवी और परम्परागत जनजातीय व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

ओडीओपी में शामिल है 52 जिलों के विशिष्ट उत्पाद

ओडीओपी योजना के अंतर्गत किसी क्षेत्र विशेष के विशेष उत्पादों को उनके भौगोलिक, जैविकीय, प्राकृतिक या उत्पादन की विशेषताओं के कारण शामिल किया जाता है। योजना में ऐसे उत्पादों का चयन कर उनके संरक्षण और संवर्द्धन के विशेष सरकारी प्रयास किये जाते है। इस समय मध्यप्रदेश के 52 जिलों में ओडीओपी योजना संचालित है, जिनमें हरी सब्जी, मोटे अनाज, क्राफ्टकला हथकरघा, हस्तशिल्प, उपकरण आदि शामिल है। प्रदेश सरकार द्वारा स्थानीय कलाकारों और उत्पादों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

कुबेरेश्वरधाम पर उमड़ा आस्था का महाकुंभ

सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव में पहुंचे लाखों श्रद्धालु

सीहोर। इस सृष्टि में हम जिस विपत्ति को कांटों की चुभन की तरह कष्टकर समझते हैं, उसका भी हमसे गुलाब के कांटों जैसा ही अनोखा रिश्ता है। गुलाब का कांटों के बीच खिलना हमारे जीवन के लिए प्रकृति का संदेश है। जीवन फूलों की सेज नहीं है, जैसे गुलाब में केवल कोमलता ही नहीं होती, उसी तरह जीवन भी सुख-दुख का संगम है। जिसने यह रहस्य समझ लिया, वह हर अभिशाप को भी वरदान बना लेता है।

उक्त विचार जिला मुख्यालय स्थित कुबेरेश्वरधाम पर मंगलवार से आरंभ हुई सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव के पहले दिन लाखों श्रद्धालुओं से पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहे। उन्होंने कहा कि गुलाब का फूल और मनुष्य का शरीर दुखों और कांटों के मध्य रहता है। हमें अपने जीवन को सरल और सहज बनाकर अपने आपको सुखी रखना है। शिव पुराण का यही संदेश है कि भगवान शिव की आराधना करने वाला दुखी नहीं रहता। भगवान भोलेनाथ की भक्ति में बहुत शक्ति है। भोलेनाथ पर विश्वास करने वालों की किस्मत पलट जाती है। कथा के पहले दिन पंडित श्री मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव के अनेक गुण हैं, लेकिन शांत रहना, समदर्शी, विनम्रता और सरलता आदि गुणों को श्रद्धालु अपना लें, तो शिव की प्राप्ति हो सकती है। जीवन में जब भी असफलता और निराशा आए, तो भगवान शिव पर भरोसा करें, वह आपको कामयाबी दिलाएंगे। भगवान शिव की आराधना करने वाला भक्त कभी

भगवान भोलेनाथ हर भक्त की सुनते हैं

कथा के श्रवण की सार्थकता तभी सिद्ध होती है जब इसे हम अपने जीवन व व्यवहार में धारण कर निरंतर भगवान का स्मरण करते हैं। भगवान भोलेनाथ हर भक्त की सुनते हैं। भोलेनाथ की भक्ति में शक्ति होती है। भगवान भोलेनाथ कभी भी किसी भी मनुष्य की जिंदगी का पासा पलट सकते हैं। बस भक्तों को भगवान भोलेनाथ पर विश्वास करना चाहिए और उनकी प्रतिदिन आराधना करनी चाहिए। जब भरोसा प्रबल हो जाए, तो शिव मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल रुद्राक्ष उत्सव नहीं, बल्कि भक्ति का सागर है। सालभर में जो सात दिन हैं, उनमें पूरी आस्था और विश्वास के साथ भगवान शंकर की भक्ति करें। यहां से जो आता है, वह तीन माह बाद लौटकर आता है। यह देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में आस्था का प्रमुख देवालय है। पंडित श्री मिश्रा ने कहा कि कुबेरेश्वरधाम पर आकर दिल से बाबा की भक्ति करें। हमारे अंदर का अहम और घमंड त्याग कर सच्चे मन से बाबा को याद करें।

एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविरों में हुई 800 से अधिक गर्भवती महिलाओं की जांच

भोपाल। एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में मंगलवार को शिविरों में 842 गर्भवती महिलाओं की जांच कर हाईरिस्क प्रेगनेंसी को चिह्नित किया गया। गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सिविल डिस्पेंसरी, संजीवनी क्लिनिक के साथ साथ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू गैस राहत हॉस्पिटल, इंदिरा गांधी गैस राहत अस्पताल, हमीदिया अस्पताल, खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, प्रोतिमा मालिक पुलिस अस्पताल में शिविर आयोजित हुए। शिविरों में चिह्नांकित हाईरिस्क महिलाओं की विशेष चिकित्सकीय देखभाल एवं अतिरिक्त फॉलोअप किया जा रहा है। अभियान के तहत निजी सोनोग्राफी केंद्रों के माध्यम से चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार नि:शुल्क सोनोग्राफी भी करवाई गई। साथ ही जांच के लिए महिलाओं को लाने एवं घर छोड़ने की सुविधा 108 एंबुलेंस द्वारा नि: शुल्क दी गई।